



आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक



O
C
M
Y
B

वर्ष -12 अंक - 154

प्रयागराज, शुक्रवार 02 अक्टूबर, 2026

पृष्ठ- 8

मूल्य : 3.00 रुपये

इजराइली यात्री ने टीवी शो देखकर प्लेन उड़ाना सीखा, हमलावर पायलट को पकड़कर हाइजैकिंग रोक दी, खून सने कपड़ों में नेतन्याहू से की मुलाकात

तेल अवीव। इजराइल जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट को एक यात्री ने क्रैश होने से बचाने में मदद की। खास बात यह है कि उसने प्लेन उड़ाना एक टीवी प्रोग्राम से सीखा था। यानिव हायून नाम के इस यात्री ने बताया कि कॉकपिट से चिल्लाने की आवाज सुनकर वह एक और यात्री के साथ वहां पहुंचा। उसने देखा कि घायल पायलट दरवाजे के पास पड़ा था। यह देखकर वह हमलावर पायलट से भिड़ गया और उससे प्लेन का कंट्रोल छीन लिया। इसके बाद उसने हमलावर पायलट को बांध दिया। इस दौरान विमान तेजी से एक तरफ झुकने लगा तो हायून ने उसे ठीक किया और विमान को सुरक्षित जमीन पर उतारने में पायलट की मदद की। इस घटना के बाद वह खून से सने कपड़ों में ही इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू से मिलने पहुंचा। PM ने उसके साहस की तारीफ की और उसे हीरो बताया। कॉकपिट

में दोनों पायलटों के बीच हुई लड़ाई-फ्लाइट में यह घटना उस समय शुरू हुई, जब कॉकपिट



में मौजूद ओमानी पायलट ने भारतीय को-पायलट कैप्टन स्मित मछर पर हमला कर दिया। हमले में मछर घायल हो गए। हमलावर ने इसके बाद दोनों पायलटों की सीट के बीच बैठकर विमान का कंट्रोल अपने हाथ में लेने की कोशिश की। स्थिति बिगड़ती देख मछर ने किसी

तरह कॉकपिट का दरवाजा खोल दिया। इससे बाहर मौजूद यात्रियों को अंदर जाने का मौका

था। हायून ने कहा कि इससे बाहर मौजूद यात्रियों को कॉकपिट के अंदर पहुंचने का रास्ता मिल गया और वे हमलावर को काबू कर सके। बाद में नेतन्याहू ने भी मछर की बहादुरी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद मछर ने हमलावर का सामना किया और कॉकपिट का दरवाजा खोलकर यात्रियों और क्रू को अंदर आने का मौका दिया।

हमलावर को काबू करने के बाद भी खतरा टला नहीं था-हमलावर को काबू करने के बाद हायून को लगा कि अब स्थिति संभल जाएगी। लेकिन तभी विमान तेजी से एक तरफ झुकने लगा। उस समय कॉकपिट में विमान को संभालने के लिए तुरंत किसी की जरूरत थी। हायून दोबारा कॉकपिट में पहुंचा और विमान का कंट्रोल अपने हाथ में लिया। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

कॉकपिट में हुई मारपीट/चाकू लगे, लेकिन फ्लाइट कंट्रोल नहीं छोड़ा, भारतीय पायलट ने 4 साल पहले फ्लाईदुबई जॉइन की मोदी बोले- 9/11 जैसा हमला रोका

तेल अवीव। भारतीय पायलट स्मित मछर ने दुबई से इजराइल जा रही फ्लाइट को क्रैश होने से

उन्होंने कहा-कल हुई घटना में भारत के कैप्टन स्मित ने धैर्य, सूझबूझ और साहस का परिचय



बचा लिया। स्मित पर उनके साथी पायलट ने ही चाकू से हमला कर दिया था। घायल होने के बावजूद स्मित उससे लड़ते रहे और बाकी यात्रियों की मदद से काबू पाया। कैप्टन स्मित मछर मूल रूप से गुजरात से हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वे अब दुबई में रहते हैं। उन्होंने चार साल पहले फ्लाईदुबई जॉइन किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को भारतीय पायलट की तारीफ की।

दिया। जैसा इजराइल के प्रधानमंत्री ने भी आज बताया, एक भारतीय ने 9/11 जैसे हादसे को टाल दिया। इजराइली डेंटिस्ट ने घायल पायलट जान बचाई-विमान में सवार यात्रियों को कुछ देर के लिए लगा कि वे जिंदा नहीं बचेगे। एक यात्री ने एफपी को बताया कि, 'सभी को लगा कि अब हम मरने वाले हैं।' विमान में मौजूद कुछ लोगों की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया। वहीं कैप्टन

स्मित की मदद विमान में मौजूद एक डेंटिस्ट ने की। उन्होंने घायल पायलट का विमान में ही इलाज किया और उनकी जान बचाई। स्पाइसजेट में 11 साल पायलट रह चुके हैं कैप्टन स्मित-फ्लाईदुबई से पहले स्मित ने 11 साल से ज्यादा समय तक स्पाइसजेट में काम किया। यहां उन्होंने 9500 घंटे से ज्यादा उड़ान भरी। इनमें 6400 घंटे से ज्यादा समय विमान के मुख्य पायलट यानी पायलट-इन-कमांड के तौर पर था। जून 2022 में उन्होंने फ्लाईदुबई जॉइन की थी। उनके लिक्विडेशन प्रोफाइल के मुताबिक, उन्हें कमर्शियल विमान उड़ाने का 13 साल से ज्यादा का अनुभव है। उन्होंने बोर्डिंग 737 विमानों पर करीब 9750 घंटे उड़ान भरी हैं। इसके अलावा वे पायलटों की ट्रेनिंग, उनकी जांच और उन्हें काम के दौरान गाइड करने का काम भी करते थे। पांडेकार्ट में बताया-पढ़ाई के दौरान पायलट बनने का ख्याल आया-पिछले साल अक्टूबर में कैप्टन स्मित ने सीएस जलक मेहता नाम के यूट्यूब चैनल के साथ पांडेकार्ट साक्षात्कार में भाग लिया। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

भारत-यूएई के बीच समुद्र में तेल पाइपलाइन की तैयारी, भारत 88फीसदी कच्चा तेल आयात करता है

नयी दिल्ली। होर्मुज संकट के बीच भारत ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित रखने के लिए नई रणनीति पर काम कर रहा है।

निजी प्रोजेक्ट बताया था। शुरुआत में इसमें सिर्फ गैस पाइपलाइन की योजना थी, लेकिन अब समुद्र के रास्ते कच्चा तेल



इसके तहत भारत और यूएई के बीच समुद्र के नीचे तेल और गैस पाइपलाइन बिछाने की तैयारी है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने यूएई के विदेश व्यापार मंत्री थानी बिन अहमद अल जेदी से मुलाकात के बाद इसकी पुष्टि की। सरकार ने ओमान-यूएई से भारत तक समुद्र के नीचे पाइपलाइन परियोजना को प्राथमिकता में रखा है। मिडिल ईस्ट टू इंडिया डीप-वॉटर पाइपलाइन के तहत पाइपलाइन ओमान और यूएई के तट से शुरू होकर अरब सागर के नीचे से गुजरते हुए गुजरात और महाराष्ट्र के तट तक पहुंच सकती है। पहले सिर्फ गैस पाइपलाइन की थी योजना-जून में सरकार ने इस परियोजना को

लाने की संभावना पर भी तकनीकी अध्ययन शुरू हो गया है। पेट्रोलियम मंत्रालय के निर्देश पर सरकारी कंपनियों परियोजना की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर रही हैं। इसमें गहरे समुद्र में पाइपलाइन बिछाने की तकनीक, लागत और सुरक्षा समेत दूसरे पहलुओं की जांच की जाएगी। क्यों पड़ी इस पाइपलाइन की जरूरत? भारत अपनी जरूरत का करीब 88फीसदी कच्चा तेल आयात करता है। देश में आने वाली आधी से ज्यादा एलपीजी और एलएनजी भी कतर और यूएई से इसी समुद्री रास्ते से जहाजों के

जरिए आती हैं। सबसे बड़ी चुनौती समुद्र की गहराई-इस परियोजना में सबसे बड़ी इंजीनियरिंग चुनौती समुद्र में करीब 3,450 मीटर की गहराई तक पाइपलाइन बिछाना है। इतनी गहराई में पानी का दबाव काफी ज्यादा होता है। पाइपलाइन को सुरक्षित रखना, समुद्र तल की चट्टानों और खाइयों के बीच रास्ता बनाना और भविष्य में इसकी मरम्मत करना भी बड़ी तकनीकी चुनौतियां होंगी। सीधे सफाई से खर्च और जहाजों पर निर्भरता कम होगी-सीधे ओमान, यूएई, कतर और सऊदी अरब के गैस और तेल भंडार से आपूर्ति मिलने पर समुद्री जहाजों पर निर्भरता कम हो सकती है। इससे तेल और गैस के परिवहन और बीमा पर होने वाला खर्च घट सकता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में अचानक तेल और गैस की कीमत बढ़ने पर भारत पर पड़ने वाला दबाव भी कम हो सकता है। 3 किमी पाइपलाइन का परीक्षण-परियोजना विकसित करने वाली संस्था साउथ एशिया गैस एंटरप्राइज ने करीब रु25 करोड़ की लागत से लगभग 3 किलोमीटर पाइपलाइन बिछाकर परीक्षण किया है। सभी शर्तें पूरी होने के बाद पूरी परियोजना के निर्माण में करीब 5 से 7 साल लगने का अनुमान है।

जिम्बाब्वे में हेलिकॉप्टर क्रैश, चर्चित बिजनेसमैन समेत 6 की मौत,पत्नी भी थीं साथ

राष्ट्रपति के करीबी चिवायो महंगी कारों-हेलिकॉप्टरों के थे शौकीन



हलारै। जिम्बाब्वे के मरोनडेरा इलाके में बुधवार शाम एक हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। इसमें सवार सभी 6 लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद

जानकारी नहीं है। पुलिस और संबंधित अधिकारी इसकी जांच करेंगे। जिम्बाब्वे के चर्चित कारोबारी थे चिवायो-विकनेल चिवायो जिम्बाब्वे के चर्चित

किंग मस्वाती तृतीय से मिल चुके थे। सरकारी ठेकों से जुड़े विवाद में नाम आया-चिवायो की कंपनी को जिम्बाब्वे में कई सरकारी प्रोजेक्ट मिले थे। इनमें ग्वांडा सोलर प्रोजेक्ट प्रमुख था। यह करीब 100 मेगावाट का सोलर पावर प्रोजेक्ट है। इस प्रोजेक्ट को लेकर काम में देरी और कॉन्ट्रैक्ट से जुड़े विवाद हुए। कंपनी और सरकार के बीच मामला अदालत तक भी पहुंचा। चिवायो के कारोबार और सरकारी ठेकों को लेकर समय-समय पर सवाल भी उठते रहे। उन्होंने अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों से इनकार किया था। आलीशान ज़िंदगी के लिए भी मशहूर थे-चिवायो सोशल मीडिया पर अपनी लगजरी लाइफस्टाइल की तस्वीरें शेयर करते थे। वे महंगी कारों, प्राइवेट जेट और हेलिकॉप्टरों के साथ तस्वीरें पोस्ट करते थे। वे पत्नी लूसी के साथ यात्राओं की तस्वीरें भी शेयर करते थे। कई मौकों पर मशहूर हस्तियों, धार्मिक नेताओं और दूसरे लोगों को महंगी गाड़ियों और कैश गिफ्ट देने को लेकर भी चर्चा में रहे।

पीएम मोदी-ट्रम्प की फोन पर बातचीत,कूटनीतिक साझेदारी पर चर्चा, इस साल चौथी बार फोन पर बात, जून में मुलाकात हुई थी दोनों नेताओं की

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को फोन पर बातचीत की। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट करके इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया-दोनों नेताओं ने कूटनीतिक साझेदारी बढ़ाने पर चर्चा की। दोनों नेताओं के बीच इस साल की यह चौथी फोन पर बातचीत है। दोनों लीडर्स जून में जी7 समिट के दौरान फ्रांस में मिले थे। दोनों नेताओं ने व्यापार और डिफेंस पर बातचीत की-व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, तकनीक और दूसरे क्षेत्रों में भारत-अमेरिका सहयोग की समीक्षा की। दोनों ने भारत-अमेरिका की कॉम्प्लेक्स ग्लोबल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप को आगे बढ़ाने के लिए लगातार संपर्क बनाए रखने पर सहमत जताई। मोदी और ट्रम्प ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी चर्चा की। दोनों नेताओं ने वैश्विक शांति और सुरक्षा को आगे बढ़ाने की कोशिशों पर विचार साझा किए। 2026 में चौथी बार फोन पर चर्चा-पीएम मोदी और ट्रम्प की बीच आज की बातचीत दोनों के बीच साल में चौथी बातचीत है। 2 फरवरी 2026: यह इस साल की पहली फोन पर बातचीत थी। उस समय ट्रम्प ने कहा था कि 'जब तक मैं प्रेसिडेंट

हूँ, व्हाइट हाउस में मोदी का हमेशा अच्छा दोस्त मौजूद रहेगा। अगर भारत पर हमला होता है और मोदी लीडर होंगे तो हम उनकी मदद करेंगे।' वहीं ट्रम्प के साथ द्विपक्षीय बैठक में मोदी ने कहा कि समुद्र में भारतीयों की सुरक्षा जरूरी है। उम्मीद है कि ईरान के साथ डील में भारतीयों की सुरक्षा पक्की की जाएगी। ट्रम्प 2027 की शुरुआत में भारत आ सकते हैं-राष्ट्रपति ट्रम्प साल 2027 की शुरुआत में भारत आ सकते हैं। न्यूज एजेंसी आईएनएस के

मुताबिक, व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान विदेश मंत्री माकी रुबियो ने ये बयान दिया। ये ट्रम्प की राष्ट्रपति रहते हुए दूसरी भारत यात्रा हो सकती है। इससे पहले ट्रम्प साल 2020 में पहली बार भारत यात्रा पर आए थे। वे अहमदाबाद में 'नमस्ते ट्रम्प' कार्यक्रम में शामिल हुए थे। रुबियो ने पृष्ठ गया कि वे भारत की प्रगति, विकास और वैश्विक स्तर पर प्रधानमंत्री मोदी की भूमिका को कैसे देखते हैं, तो उन्होंने कहा, 'हम पीएम मोदी और उनके किए गए कार्यों के बहुत बड़े प्रशंसक हैं।'

जंग और पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा हुई। साथ ही तनाव कम करने और होर्मुज स्ट्रेट को खुला और सुरक्षित रखने पर चर्चा हुई। 14 अप्रैल 2026: अप्रैल में भी ट्रम्प ने मोदी को फोन किया था। करीब 40 मिनट बातचीत हुई। पश्चिम एशिया, होर्मुज और भारत-अमेरिका के बीच सहयोग की समीक्षा हुई। यह 2026 में दोनों नेताओं की तीसरी फोन बातचीत थी। मोदी-ट्रम्प फ्रांस में जी7 समिट के दौरान मिले थे-पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रम्प की इस साल 17 जून को फ्रांस में मुलाकात हुई थी। उस समय ट्रम्प ने कहा था कि 'जब तक मैं प्रेसिडेंट

परमाणु विस्फोट पकड़ने अमेरिका ने जमीन के नीचे किए ब्लास्ट,जमीन के कंपन का डेटा एनालिसिस-चीन पर छिपकर परमाणु टेस्ट करने के आरोप

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका आरोप लगा चुका है। साल 2020 ने बुधवार को नेवादा में जमीन में अमेरिका ने चीन के लूप लूप परमाणु



के नीचे एक बड़ा विस्फोट किया। इसमें परमाणु बम का इस्तेमाल नहीं हुआ। वैज्ञानिकों ने शक्तिशाली रासायनिक विस्फोटक लगाए और उनके फटने पर पैदा हुए कंपन और दूसरे संकेतों को रिकॉर्ड किया। इस प्रयोग का मकसद यह समझना था कि अगर कोई देश जमीन के नीचे छोटा परमाणु धमाका करे और उसके संकेतों को छिपाने की कोशिश करे, तो उसका पता कैसे लगाया जा सकता है। यह प्रयोग ऐसे समय में हुआ है, जब अमेरिका पहले भी चीन पर गुप्त परमाणु परीक्षण करने की कोशिश का

परीक्षण केंद्र में ऐसे सीक्रेट टेस्ट किए जाने का आरोप लगाया था। जमीन के करीब 900 फीट नीचे किया गया टेस्ट-यह प्रयोग नेवादा नेशनल सिक्योरिटी साइट के पी-टनल इलाके में किया गया। यह सुरंग जमीन के करीब 900 फीट नीचे है और लंबे समय से राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े प्रयोगों के लिए इस्तेमाल होती रही है। वैज्ञानिकों ने सुरंग के अंदर रासायनिक विस्फोटक लगाए। विस्फोट के दौरान पैदा होने वाले कंपन, ध्वनि और दूसरे संकेतों को रिकॉर्ड करने के लिए कई तरह के सेंसर लगाए गए थे। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

अमेरिका-मौत के 2 इंजेक्शन देने के बाद भी महिला बची, मौत की सजा टली,धड़कन चल रही थी, नौद में खरटि ले रही थी

टेनेसी। अमेरिका में मौत की सजा पाने वाली एक महिला कैदी को मौत के 2 इंजेक्शन दिए गए लेकिन इसके बाद भी उसकी

महिला होती। 1995 में 19 साल की सहपाठी की हत्या की थी-किस्टा पाइक को 1995 में अपनी 19 साल की सहपाठी कोलीन



जान नहीं गई। उसकी धड़कन चलती रही और वह नींद में खरटि ले रही थी। अमेरिका के टेनेसी राज्य में किस्टा गेल पाइक नाम की महिला 1995 में हत्या के मामले में दोषी करार की गई थी। उन्हें इस मामले में 1996 में मौत की सजा सुनाई गई थी। हालांकि अब महिला की सजा टाल दी गई है। अगर प्रक्रिया पूरी हो जाती तो 200 साल से ज्यादा समय में अमेरिकी राज्य टेनेसी में मौत की सजा पाने वाली वह पहली

स्लेमर की हत्या के मामले में दोषी ठहराया गया था। जनवरी 1995 में पाइक, उनके उस समय के बॉयफ्रेंड तादारिल शिप और एक दोस्त ने स्लेमर को टेनेसी यूनिवर्सिटी के कैपस के पास जंगल में बुलाया था। अदालत में सासन आया कि वहां तीनों ने स्लेमर की पिटाई की और धारदार चीज से हमला किया। अपराध के समय पाइक 18 साल की थीं। वहीं, उनके बॉयफ्रेंड शिप की उम्र 17 साल थी। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

अरैल घाट पर पहली बार 20 एकड़ में गुंजेगा डांडिया का रंग, 12 अक्टूबर को परमार्थ त्रिवेणी पुष्प में सजेगी भव्य डांडिया नाइट, अभिनेत्री-सिंगर श्वेता चौहान होंगी सेलिब्रिटी गेस्ट

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। विशाल प्राकृतिक परिसर,



बार डांडिया का उत्सव एक नए अंदाज में देखने को मिलेगा। परम पूज्य स्वामी चिदानंद सरस्वती (मुनि जी) के आशीर्वाद से 12 अक्टूबर को अरैल घाट स्थित 20 एकड़ में फैले हरियाली से भरपूर परमार्थ त्रिवेणी पुष्प परिसर में भव्य गरबा एवं डांडिया महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। शाम छह बजे से शुरू होने वाले इस आयोजन की

आकर्षक सेल्फी प्वाइंट और आध्यात्मिक वातावरण इस आयोजन को खास बनाने की तैयारी में हैं। आयोजकों के अनुसार, डांडिया नाइट में मनोरंजन के साथ शहरवासियों को एक अलग तरह का सांस्कृतिक और उत्सवी अनुभव देने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण अभिनेत्री एवं सिंगर श्वेता चौहान

की मौजूदगी होगी। उनके साथ लाइव बैंड, लाइव डोल और डीजे की प्रस्तुतियां डांडिया की शाम को संगीतमय बनाएंगी। आयोजन में विभिन्न मनोरंजक गतिविधियां, प्रतियोगिताएं और पुरस्कार भी आकर्षण का केंद्र रहेंगे। कार्यक्रम के आयोजक डॉ. पुष्पेंद्र जी ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य प्रयागराजवासियों को एक बड़े, सुरक्षित और पारिवारिक वातावरण में गरबा एवं डांडिया की सांस्कृतिक परंपरा से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि परमार्थ त्रिवेणी पुष्प का विशाल हरित परिसर इस आयोजन को एक अलग पहचान देगा। शहर के कई विशिष्ट एवं गणमान्य अतिथियों को भी कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है। आयोजक समिति ने शहरवासियों से कार्यक्रम में शामिल होने के लिए समय रहते एंटी पास प्राप्त करने की अपील की है। कार्यक्रम: गरबा एवं डांडिया महोत्सव 2026-स्थान: परमार्थ त्रिवेणी पुष्प, अरैल घाट, प्रयागराज तिथि: 12 अक्टूबर 2026। समय: शाम 6 बजे।

ग्रामीण परिवेश में जीवन जीने की कला से खूबरु हुए विद्यार्थी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। पर्यटन ग्राम घूरपुर

पदम माधव मंदिर, शीतला माता मंदिर सहित विभिन्न ऐतिहासिक

गुफा ने प्रथम, आयुषी परिहार ने द्वितीय और आशीष कुशवाहा



प्रमुख श्री सुजावन देव मंदिर 30 सितंबर 2026 दिन बुधवार को विद्यार्थियों वेंग लिए ऐतिहासिक, सांस्कृतिक विरासत और ग्रामीण जीवनशैली को करीब से जानने का केंद्र बना। स्टेट माई विजिट एवं पर्यटन विभाग की रूरल ग्राम गंगे परियोजना के तहत श्रीनाथ सत्यनारायण इंटर कॉलेज जसरा के विद्यार्थियों ने गांव का भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने ऐतिहासिक सुजावन देव मंदिर भीटा का किला, सीता रसोई

स्थलों का अवलोकन किया। महंत श्री ज्ञानेंद्र गोस्वामी जी के बताए अनुसार यह का इतिहास जाना साथ ही ग्रामीण परिवेश में दूध से दही मथने और चक्की से आटा निकालने कुआं से पानी निकालना जैसी पारंपरिक गतिविधियों का अनुभव लेकर ग्रामीण जीवन-शैली को समझा। पर्यटन विभाग के फील्ड ऑफिसर डॉ. प्रमोद शुक्ला के निर्देशन में आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में श्रीनाथ सत्यनारायण इंटर कॉलेज जसरा की आराध्या

ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को श्री सुजावन देव मंदिर कार्यालय देवरिया सचिवालय में प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महंत श्री ज्ञानेंद्र गोस्वामी जी मुख्य पुजारी श्री सुजावन देव मंदिर शिक्षक अंबिका प्रसाद त्रिपाठी, सुरेश कुमार कुशवाहा, शैलजा त्रिपाठी, अनुराग उपाध्याय, दयाशंकर सिंह, राजेंद्र सिंह, डीसी प्रयागराज, ग्रामीण समन्वयक घूरपुर यश गोस्वामी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मानस रामलीला समिति का कर्ण घोड़ा जुलूस 10 अक्टूबर को, सड़क पर बड़े-बड़े गड्डे एवं विद्युत के लटकते तारों पर गहरी चिंता जताई गई

नैनी/प्रयागराज। मानस रामलीला समिति नैनी का कर्ण

दशहरा सिर पर आ गया है, परंतु अभी तक विभागीय



घोड़ा जुलूस 10 अक्टूबर को अभिमन्यु शाखा पार्क पी.ए.सी कॉलोनी से निकलेगा। जिसकी तैयारी पूरे जोर-शोर से की जा रही है। यह बातें बुधवार को रिस्प्यूजी कॉलोनी स्थित कैलाश भवन में मानस रामलीला समिति के द्वारा आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान समिति के अध्यक्ष धीरेन्द्र यादव (धीरू) ने कही। उन्होंने बताया, कि रामलीला एवं

अधिकारियों के द्वारा क्षेत्र की सड़कों पर के गड्डे एवं लटकते विद्युत तारों को दुरुस्त नहीं किया जा सका। जबकि इसकी जानकारी पीस कमिटी की बैठक में अधिकारियों को दिया जा चुका है। इस पर समिति के लोगों ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए सड़क पर के गड्डे एवं लटकते विद्युत तारों को अविलंब दुरुस्त कराए जाने की मांग की है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मानस रामलीला समिति के अध्यक्ष धीरेन्द्र यादव (धीरू) एवं संचालन महामंत्री नयन कुमार कुशवाहा ने किया।

इस मौके पर समिति के लोगों ने बताया, कि मानस रामलीला समिति का मुख्य संरक्षक अरैल क्षेत्र के पार्श्व पति एवं समाजसेवी प्रदीप महारा शास्त्री को बनाया गया है। मानस रामलीला समिति वेंग पदाधिकारियों ने बताया, कि 10 अक्टूबर को कर्ण घोड़ा जुलूस भव्य शोभायात्रा अभिमन्यु शाखा पार्क पी.ए.सी कॉलोनी से निकलकर मिर्जापुर रोड, नैनी बाजार, मेवाला की बगिया तिराहा होते हुए अभिमन्यु शाखा पार्क में समापन होगा। इस मौके पर मानस रामलीला समिति के अध्यक्ष धीरेन्द्र यादव (धीरू), महामंत्री नयन कुमार कुशवाहा, संरक्षकगण शिवशंकर दीक्षित, रावेगंश श्रीवास्तव, सुभाष केशरवानी, मोहम्मद अजहर, सुभाष प्रधान, कोषाध्यक्ष सतीश श्रीवास्तव, विनोद जैकब, आदि लोग शामिल रहे।

गांधी जयंती से पूर्व ज्ञानकुंज के एनसीसी कैडेटों ने संभाली स्वच्छता की कमान!

विद्यालय परिसर में चलाया सफाई अभियान, लोगों को स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) बलिया। गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम के क्रम में गुरुवार को ज्ञानकुंज एकेडमी, बंशी बाजार में एनसीसी कैडेटों ने स्वच्छता अभियान चलाया। शुक्रवार को विद्यालय में अवकाश होने के कारण गांधी जयंती से संबंधित यह कार्यक्रम एक दिन पूर्व ही आयोजित किया गया। अभियान के दौरान एनसीसी कैडेटों ने विद्यालय परिसर की साफ-सफाई की और स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती सुधा पाण्डेय ने हरी झंडी दिखाकर किया। इसके बाद एनसीसी कैडेटों ने पूरे विद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाते हुए साफ-सफाई की। कैडेटों ने स्वयं श्रमदान करने के साथ आसपास के लोगों को भी स्वच्छता के महत्व के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर ज्ञानकुंज एकेडमी के प्रबंधक डॉ. डीएन सिंह ने कहा कि महात्मा गांधी ने स्वच्छता को स्वस्थ और बेहतर समाज की बुनियाद माना था। स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि इसे अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। विद्यार्थियों में स्वच्छता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना समय की आवश्यकता है। विद्यालय की उपप्रधानाचार्य शीला सिंह ने कहा कि एनसीसी कैडेटों द्वारा चलाया गया अभियान विद्यार्थियों के साथ समाज के लिए भी प्रेरणादायी है।

सलोन नगर पंचायत उप निर्वाचन में प्रत्याशियों के वाहनों की अनुमति के लिए दिशा निर्देश जारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय) रायबरेली सरनीत कौर ब्रोका ने बताया है कि राज्य निर्वाचन आयोग, उत्तर प्रदेश लखनऊ के द्वारा नगरीय निकाय

रायबरेली के रिक्त अध्यक्ष पद के सविरोध उप निर्वाचन में प्रत्याशियों द्वारा चुनाव प्रचार-प्रसार एवं मतदान दिवसों तथा मतगणना के दिवसों में वाहनों का उपयोग उप जिलामजिस्ट्रेट सलोन की अनुमति के बिना नहीं किया जाएगा। प्रचार-प्रसार



उप निर्वाचन, माह सितम्बर/अक्टूबर, 2026 के अन्तर्गत मतदान स्थल पर समुचित व्यवस्था तथा मतगणना स्थल पर समुचित व्यवस्था के सम्बन्ध में आयोग द्वारा जारी स्थायी, आदेशों/परिपत्रों में दिये गये निर्देशानुसार मतदान व मतगणना स्थल पर पूर्ण एवं समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये गये हैं, जिससे कि उप निर्वाचन सफुल सम्पन्न हो सके। जिला निर्वाचन अधिकारी न दिये गये निर्देश के क्रम में नगरीय निकाय उप निर्वाचन, माह सितम्बर/अक्टूबर, 2026 के अन्तर्गत राज्य निर्वाचन आयोग, उत्तर प्रदेश लखनऊ के द्वारा जारी निर्देशानुसार नगर पंचायत सलोन, जनपद रायबरेली के रिक्त अध्यक्ष पद के सविरोध उप निर्वाचन में प्रत्याशियों द्वारा प्रचार-प्रसार, मतदान एवं मतगणना दिवसों में वाहनों के उपयोग के सम्बन्ध में दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया है कि नगर पंचायत सलोन, जनपद

दिवसों में प्रचार-प्रसार हेतु तथा मतदान दिवसों एवं मतगणना दिवसों में प्रत्याशियों द्वारा रिटर्निंग आफिसर से प्रार्थना पत्र अग्रसारित कराकर (प्रार्थना पत्र के साथ वाहन का प्रकार, रजिस्ट्रेशन के कागजात, चालक का नाम, नगरीय निकाय का नाम, प्रत्याशी का नाम, गाड़ी संख्या तथा प्रत्याशियों के राजनैतिक दलों से सम्बद्धता/निर्दलीय का विवरण देना होगा), अग्रसारित प्रार्थना पत्रों के आधार पर उप जिलामजिस्ट्रेट सलोन द्वारा प्रत्याशियों को वाहन के पास निर्धारित प्ररूप पर जारी किया जाएगा। जारी किए गए वाहन पास को मूल रूप में वाहन पर चस्पा कर प्रमुखता से प्रदर्शित करना होगा। प्रत्याशियों द्वारा वाहन पास मूल रूप में वाहन के आगे शीशे पर चिपकाया जाएगा। उप जिला मजिस्ट्रेट सलोन द्वारा प्रतिदिन जारी किये गये वाहन पास की एक छायाप्रति (सूची सहित) पुलिस अधीक्षक रायबरेली के यहाँ भेजी जायेगी तथा पुलिस

अधिकारियों द्वारा नगर पंचायत सलोन के थाने में प्रतिदिन वाहन पास की सूचना भेजी जायेगी। यदि बिना वाहन पास के प्रत्याशियों द्वारा वाहन का उपयोग किया जाता है, तो उनके विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जायेगी। अनुमति प्राप्त वाहनों के सम्बन्ध में यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि निर्वाचन में प्रत्याशियों या उनके समर्थकों द्वारा मोटरयान अधिनियम (एम0वी0एक्ट) का उल्लंघन न हो। प्रत्याशियों द्वारा उपयोग में लाये गये वाहनों का किराया परिवहन आयुक्त द्वारा विभिन्न प्रकार के वाहनों हेतु निर्धारित दर के आधार पर निर्वाचन व्यय में सम्मिलित किया जायगा। निर्वाचन अवधि में प्रचार-प्रसार हेतु अनुमति प्राप्त वाहनों को छोड़कर किसी भी प्रत्याशी के झण्डे एवं स्ट्रीकर अन्य वाहनों पर नहीं लगाये जायेंगे। केवल प्रचार-प्रसार हेतु अनुमति प्राप्त वाहन पर ही झण्डे एवं स्ट्रीकर लगाये जा सकते हैं। निर्वाचन अवधि में प्रत्याशियों द्वारा प्रचार-प्रसार हेतु नगर पंचायत सलोन के रिक्त अध्यक्ष पद के उम्मीदवार हेतु 02 वाहन (दो पहिया वाहन सहित समस्त मैकनाइज्ड/मोटोराइज्ड वाहन) का संचालन निर्वाचन के प्रचार-प्रसार के लिए करा सकते हैं। मतदान दिवसों पर नगर पंचायत सलोन के रिक्त अध्यक्ष पद के प्रत्याशी हेतु 01 वाहन अनुमन्य होगा। मतगणना के दिन नगर पंचायत सलोन के रिक्त अध्यक्ष पद के प्रत्याशी को 01 वाहन की अनुमति दी जायेगी। प्रत्याशी द्वारा निर्वाचन प्रचार-प्रसार हेतु प्रयोग किए जाने वाले वाहन/वाहनों तथा निर्वाचन के सम्बन्ध में अन्य मदों पर होने वाला व्यय आयोग द्वारा उक्त पद हेतु निर्धारित व्यय सीमा के अन्तर्गत होना चाहिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने उप जिलामजिस्ट्रेट सलोन, जनपद रायबरेली को निर्देश दिये हैं कि उपरोक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन करते हुए नगर पंचायत सलोन के रिक्त अध्यक्ष पद के उप निर्वाचन हेतु सभी प्रत्याशियों को अवगत कराना सुनिश्चित करें।

पोस्टकार्ड ने पूरा किया 157 साल का सफर: 1 अक्टूबर, 1869 को ऑस्ट्रिया में जारी हुआ था पहला पोस्टकार्ड-पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव डाकिए की दस्तक से डिजिटल संदेशों तक, बदलते संचार का साक्षी रहा पोस्टकार्ड-पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) अहमदाबाद। घर के दरवाजे पर डाकिए की दस्तक और उसके हाथ में थमा पोस्टकार्ड कभी पूरे परिवार

था, जिन्होंने इसके बारे में वीनर न्यूस्टॉ में सैन्य अकादमी में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर डॉ. एमैनुएल हर्मन को बताया। उन्हें यह विचार

थी। अंदाज़-ए-बयां का यह माध्यम लोगों को इतना पसंद आया कि साल की पहली तीन तिमाही में ही लगभग 7.5 लाख रुपए के



के लिए उत्सुकता का विषय हुआ करता था। पोस्टकार्ड पर लिखे

काफी आकर्षक लगा और उन्होंने 26 जनवरी 1869 को एक

पोस्टकार्ड बेचे गए थे। गौरतलब है कि डाकघरों में अब तक चार

शादी-ब्याह, शुभकामनाओं से लेकर विभिन्न आंदोलनों का गवाह रहा है पोस्टकार्ड-पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव

कुछ शब्द दूर बैठे किसी अपने की आवाज जैसे लगते थे। यही कारण था कि पोस्टकार्ड सिर्फ कागज का एक टुकड़ा नहीं, बल्कि भावनाओं और रिश्तों को जोड़ने वाला माध्यम बन गया था। समय के साथ संचार के साधन बदलते गए। टेलीफोन, मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने संदेशों को पलभर में पहुँचाना शुरू कर दिया। इसके बावजूद पोस्टकार्ड की ऐतिहासिक और भावनात्मक स्मृति आज भी कायम है। तमाम राजनेताओं से लेकर साहित्यकारों व आंदोलनकारियों ने पोस्टकार्ड का बहुवैध प्रयोग किया है। अपना वही पोस्टकार्ड 1 अक्टूबर, 2026 को वैश्विक स्तर पर 157 साल का हो गया। उत्तर गुजरात परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि, दुनिया में पहला पोस्टकार्ड एक अक्टूबर 1869 को ऑस्ट्रिया में जारी किया गया था। इसके पीछे की कहानी के बारे में पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव बताते हैं कि, पोस्टकार्ड का विचार सबसे पहले ऑस्ट्रियाई प्रतिनिधि कोल्बेर्गस्टीनर के दिमाग में आया

अखबार में इसके बारे में लेख लिखा। ऑस्ट्रिया के डाक मंत्रालय ने इस विचार पर बहुत तेजी से काम किया और पोस्टकार्ड की पहली प्रति एक अक्टूबर 1869 में जारी की गई। यहाँ से पोस्टकार्ड के सफर की शुरुआत हुई। दुनिया का यह प्रथम पोस्टकार्ड पीले रंग का था। इसका आकार 122 मिलीमीटर लंबा और 85 मिलीमीटर चौड़ा था। इसके एक तरफ पता लिखने के लिए जगह छोड़ी गई थी, जबकि दूसरी तरफ संदेश लिखने के लिए खाली जगह छोड़ी गई। भारत में डाक सेवाओं पर निरंतर अध्ययनरत एवं 'इण्डिया पोस्ट : 150 ग्लोरियस ईयर्ज़' के लेखक पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि भारत में पहला पोस्टकार्ड 1879 में जारी किया गया। हल्के भूरे रंग में छपे पहले पोस्टकार्ड की कीमत 3 पैसे थी और इस कार्ड पर 'ईस्ट इण्डिया पोस्टकार्ड' छपा था। बीच में ग्रेट ब्रिटेन का राजचिह्न मुद्रित था और ऊपर की तरफ दाँत कोने में लाल-भूरे रंग में छपी ताज पहने साम्राज्ञी विक्टोरिया की मुखाकृति

प्रकार के पोस्टकार्ड-मेघदूत पोस्टकार्ड, सामान्य पोस्टकार्ड, मुद्रित पोस्टकार्ड और प्रतियोगिता पोस्टकार्ड-उपलब्ध रहे हैं, जिनकी कीमत क्रमशः 25 पैसे, 50 पैसे, 6 रुपये और 10 रुपये थी। 20 दिसंबर 2024 से इन सभी श्रेणियों को एकीकृत कर एकल 'पोस्टकार्ड' श्रेणी में सम्मिलित कर दिया गया है।

पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि गुजरात के कृषि, किसान कल्याण एवं सहकारिता विभाग के तत्वावधान में डाक विभाग के सहयोग से गत वर्ष अक्टूबर, 2025 में अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट पर एक अनूठे 'धन्यवाद पोस्टकार्ड अभियान' का आयोजन कर विश्व स्तर पर एक नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया। इस अभियान के तहत गुजरात के नागरिकों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार एवं धन्यवाद व्यक्त करते हुए 1.11 करोड़ से अधिक पोस्टकार्ड लिखे। यह अभियान पोस्टकार्ड की सामूहिक अभिव्यक्ति की क्षमता और जनभागीदारी का एक उल्लेखनीय उदाहरण बना।

पीएम श्री राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज में छात्राओं के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित

जिलाधिकारी ने छात्राओं से संवाद कर लक्ष्य निर्धारण, शिक्षा एवं आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए किया प्रेरित (आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी



सरनीत कौर ब्रोका ने आज पीएम श्री राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज में छात्राओं के साथ आयोजित संवाद, मार्गदर्शन एवं अनुप्रेरण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने छात्राओं से सीधे संवाद करते हुए उनकी शैक्षिक गतिविधियों, रुचियों, भविष्य की आकांक्षाओं एवं कैरियर संबंधी विषयों पर चर्चा की तथा उन्हें निरंतर मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास

के साथ अपने निर्धारित लक्ष्यों की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। संवाद वें दौरान जिलाधिकारी ने छात्राओं को अपने सपनों को साकार करने के लिए नियमित अध्ययन के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास, सामान्य ज्ञान, रचनात्मक गतिविधियों एवं सामाजिक जागरूकता पर भी ध्यान देने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं में जिलाधिकारी से संवाद को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। छात्राओं ने विभिन्न विषयों पर अपनी जिज्ञासा एवं विचार साझा किए। जिलाधिकारी ने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आज की छात्राएं भविष्य में समाज एवं देश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने छात्राओं को आत्मनिर्भर, जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, प्रधानाचार्य स्मिता मिश्रा, उप प्रधानाचार्य सुनीता सिंह, रचना सिंह, सरोज, कंचन यादव, सीमा, डॉ0 माधवी पाण्डेय, दीपमाला दीक्षित, पूर्णिमा गुप्ता सहित अन्य शिक्षिकाएं एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

क्रेषन जिलाधिकारी के समक्ष रखे। जिलाधिकारी ने छात्राओं के प्रश्नों का सहजता एवं आत्मीयता के साथ उत्तर देते हुए उन्हें अपनी प्रतिभा को पहचानने, नई चीजें सीखने और प्रत्येक अवसर का सकारात्मक उपयोग करने वेंग लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने छात्राओं से कहा कि असफलता से खबराने के बजाय उससे सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। मेहनत, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के साथ कोई भी लक्ष्य कठिन नहीं है। उन्होंने

छात्राओं को अपने सपनों को साकार करने के लिए नियमित अध्ययन के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास, सामान्य ज्ञान, रचनात्मक गतिविधियों एवं सामाजिक जागरूकता पर भी ध्यान देने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं में जिलाधिकारी से संवाद को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। छात्राओं ने विभिन्न विषयों पर अपनी जिज्ञासा एवं विचार साझा किए। जिलाधिकारी ने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आज की छात्राएं भविष्य में समाज एवं देश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने छात्राओं को आत्मनिर्भर, जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, प्रधानाचार्य स्मिता मिश्रा, उप प्रधानाचार्य सुनीता सिंह, रचना सिंह, सरोज, कंचन यादव, सीमा, डॉ0 माधवी पाण्डेय, दीपमाला दीक्षित, पूर्णिमा गुप्ता सहित अन्य शिक्षिकाएं एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।



शिक्षा के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करना, समय का सदुपयोग करना तथा निरंतर प्रयास करते रहना आवश्यक है। उन्होंने छात्राओं को अपनी रुचि एवं क्षमता के अनुरूप अपने भविष्य के लक्ष्य निर्धारित करने तथा उन्हें प्राप्त करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से तैयारी करने के लिए प्रेरित किया। जिलाधिकारी ने छात्राओं से उनकी पढ़ाई, विद्यालय की गतिविधियों तथा भविष्य में वे क्या बनना चाहती हैं, इस संबंध में बातचीत की। छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक अपने विचार एवं

बाढ़ में डूब रही 14 वर्षीय किशोरी को बचाने वाले पीएसी जवान सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। जनपद मिर्जापुर के

वहीं, सेनानायक श्री राजेश कुमार श्रीवास्तव (आईपीएस) ने



बावन वीर घाट पर बाढ़ राहत एवं बचाव इकाई के दौरान 42वीं वाहिनी पीएसी नैनी, प्रयागराज के दो जवानों ने साहस और त्वरित निर्णय क्षमता का परिचय देते हुए

गरिमापूर्ण समारोह में दोनों जवानों को प्रशस्ति पत्र वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। इसी क्रम में जनपद चित्रकूट में आई भीषण बाढ़ के दौरान विभिन्न



गहरे पानी में डूब रही 14 वर्षीय किशोरी की जान बचाई। दिनांक 23 सितंबर 2026 को बाढ़ राहत एवं बचाव कार्य के दौरान आरक्षी 190723677 किशन कुमार एवं आरक्षी 210642035 दिनेश कुमार ने अपनी जान की परवाह किए बिना गहरे जल में पहुँचकर किशोरी को सफुल बाहर निकाला। उनके इस साहसिक कार्य से एक अमूल्य मानव जीवन की रक्षा हुई। इस सराहनीय कार्य के लिए इगुलिस उपमहानिरीक्षक, पीएसी कानपुर अनुभाग, कानपुर श्री अतुल शर्मा (आईपीएस) द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

स्थानों पर उल्लेखनीय राहत एवं बचाव कार्य करने वाले बाढ़ राहत दल के जवानों को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान सभागार में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बाढ़ राहत के जवानों वेंग साहस, कर्तव्यपरायणता और मानव सेवा के जज्बे की सराहना की। 42वीं वाहिनी पीएसी नैनी, प्रयागराज के इन जवानों का साहसिक कार्य न केवल मानव जीवन की रक्षा का उदाहरण है, बल्कि कर्तव्य के प्रति समर्पण और सेवा भावना की प्रेरणादायक मिसाल भी है।

कोलकाता में आयोजित एनईसी के सेमिनार में होम्योपैथी चिकित्सकों की समस्याओं पर हुआ मंथन,उत्कृष्ट चिकित्सा सेवा के लिए सम्मानित हुए चिकित्सक पिछले वर्षों के कार्यों की की गई समीक्षा,2027 में राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन होगा बिहार के राजगीर में

(आधुनिक समाचार सीतापुर) सोनभद्र- कोलकाता के सियालदह स्थित मौलाली युवा



केंद्र में आयोजित वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन की राष्ट्रीय (एनईसी) सेमिनार में सोनभद्र उत्तर प्रदेश के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जनपद के प्रख्यात होम्योपैथिक चिकित्सा डॉक्टर कुसुमाकर श्रीवास्तव ने सोनभद्र जनपद का प्रतिनिधित्व किया। इस अवसर पर उन्होंने अपना विचार व्यक्त करते हुए कहा कि 'होम्योपैथी एक सस्ता कारगर चिकित्सा पद्धति है और विश्व के सभी लोगों में कोरोना काल में यह देखा और महसूस किया कि इस महा संक्रमण काल में होम्योपैथी की दवाएं कारगर सिद्ध हुई थी।

सोनभद्र जनपद भारत का एकमात्र ऐसा जनपद है जो बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश,

होम्योपैथ चिकित्सा करते थे साथ ही नेत्र शिविर का भी आयोजन किया जाता था इसलिए यहां के लोगों ने इन्हें हेनीमैन की उपाधि से विभूषित किया था। इस बैठक में आयुष मंत्रालय की कार्यप्रणाली, आयुष मंत्रालय की विसंगतियों, चिकित्सकों की समस्याओं पर गंभीर मंथन किया गया, वहीं आगरा के संयुक्त राष्ट्रीय महासचिव डॉ. पार्थ सारथी शर्मा को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महात्मा डॉ. सैमुअल हैनीमैन की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

कार्यक्रम में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. जे. एन. सिंह रघुवंशी, महासचिव डॉ. एन. एस. रघुराम, डॉ. मनोरंजन पाल (बंगाल), राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष डॉ. आर. सी. श्रीवास्तव (उत्तर प्रदेश) और राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव डॉ. पार्थ सारथी शर्मा, डॉ. पी. के. चटर्जी, डॉ. राम अयोध्या ठाकुर, डॉ. सुतापा गोहा, डॉ. आर. एन. सिंह, डॉ. कुसुमाकर श्रीवास्तव, डॉ. के. के. सिंह, डॉ. डी. के. पटेल, डॉ. सहदेव डॉ. अमित वृध्मार उपस्थित रहे सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 2027 का सेमिनार बिहार के राजगीर जनपद में आयोजित होगा।

याद किए गए सुरेंद्र श्रीवास्तव,जनसेवक एवं समाजसेवी सुरेंद्र श्रीवास्तव की आठवीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। जनसेवक एवं समाजसेवी सुरेंद्र श्रीवास्तव की



आठवीं पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस अवसर पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े अनेक लोग उनके निवास स्थान पर पहुंचे और उनके व्यक्तित्व एवं समाज के प्रति उनके योगदान को याद करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए। सुरेंद्र श्रीवास्तव जनसेवा और समाजसेवा के लिए सदैव तत्पर रहने वाले व्यक्तित्व थे।

उनकी सादगी, शालीनता और सहज व्यवहार से पूरा जिला परिचित था। वे हमेशा दूसरों की सहायता के लिए आगे रहते थे और अपने व्यवहार से लोगों के बीच विशेष स्थान बनाए हुए थे। उन्होंने समाज के साथ-साथ अपने परिवार को भी सदैव एक मुट्ठी में बांधकर रखा।

परिवार के सभी सदस्यों को साथ लेकर चलना, आपसी प्रेम और एकता बनाए रखना तथा सभी को मिल-जुलकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देना उनके

की प्रेरणा देते थे। वे मोतीलाल नेहरू इंटर कॉलेज, जमुनीपुर के पूर्व प्रबंधक भी रहे। अपने प्रबंधकीय कार्यकाल में उन्होंने विद्यालय के विकास और उसकी प्रगति को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

उनके द्वारा स्थापित सेवा, अनुशासन और सामाजिक सरोकार के मूल्यों को आज भी सम्मानपूर्वक याद किया जाता है। विद्यालय में भी उनकी आठवीं पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं तथा क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे और सभी ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

उनका सरल, सहज, सेवाभावी और मिलनसार व्यक्तित्व सदैव लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा। उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें शत-शत नमन एवं भावभीनी श्रद्धांजलि।

मत्स्य विभाग रायबरेली द्वारा रिवर रैंचिंग कार्यक्रम का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य पालक विकास अभिकरण रायबरेली इरफानुल्लाह खान ने बताया है कि गंगा नदी की पारिस्थितिकी और मत्स्य संपदा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से रानी शिवाला घाट डलमऊ पर रिवर रैंचिंग कार्यक्रम एवं जन जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस मौके पर गंगा नदी 1.00 लाख भारतीय मेजर कार्प (मत्स्य अगुलिका) संघय किया गया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य



बढ़ावा देने के साथ जलीय

गंगा नदी में मत्स्य संपदा को

पारिस्थितिकी को मजबूत करना

देना एवं इस संशोधन पर निर्भर समुदायों के लिये आय, आजीविका के अवसर को बढ़ाना है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मा0 अध्याक्ष नगर पंचायत डलमऊ, रायबरेली बृजेश कुमार गौड़ ने कहा कि गंगा केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आजीविका और महत्वपूर्ण जलीय पारिस्थितिकी का आधार भी है। मत्स्य अगुलिकाओं के संघय से नदी की जैव विविधता को बढ़ावा मिलने के साथ स्थानीय मछुआरा समुदाय की आजीविका को भी सहारा मिलने की उम्मीद है।

है तथा मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा

जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत पाइपलाइन हेतु खोदी 89 किमी सड़कें अब होंगी दुरुस्त

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) रायबरेली



रणविजय सिंह ने बताया है कि जनपद रायबरेली में जल जीवन मिशन के अंतर्गत पाइपलाइन बिछाने के दौरान खोदी गई ग्रामीण सड़कों की मरम्मत के लिए उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) एक अक्टूबर से बृहद रोड रेस्टोरेशन अभियान शुरू किया गया है। 40 दिनों के इस विशेष अभियान के दौरान टूटी सड़कें दुरुस्त की जायेंगी। जनपद में चिन्हित शेष सड़कों को अभियान के तहत दुरुस्त कराया जा रहा है। 30प्र0 जल निगम (ग्रामीण), रायबरेली के अनुसार जिले में पेयजल योजनाओं के लिए 9167.89 किलोमीटर पाइपलाइन बिछाई गई है। इसके लिए 2630.00 किलोमीटर सड़क खोदी गई थी,

जिसमें 2541.00 किलोमीटर का पुनर्स्थापना कार्य पूरा हो चुका है। अब 89.00 किलोमीटर सड़क

की मरम्मत शेष है। ग्रामीण पाइपलाइन लाइन बिछाये जाने के दौरान क्षतिग्रस्त सड़कों/मार्गों की फोटो और वीडियो जल सारथी ऐप पर भेजकर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। ऐप में 'सड़क पुर्नस्थापना / मरम्मत अभियान' विकल्प पर जाकर नाम, गांव और पता दर्ज कर फोटो-वीडियो अपलोड करना होगा। शिकायतों की निगरानी मुख्यालय स्तर से की जा रही है। एकसईएन रणविजय सिंह ने बताया कि शेष सड़कों के पुर्नस्थापना कार्य के लिए एक अक्टूबर से 10 नवंबर तक प्रदेशभर में अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत जनपद रायबरेली में पाइपलाइन हेतु खोदी गई सड़कों की मरम्मत का कार्य प्रारम्भ कराया गया है।

डीएम ने विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान/दस्तक अभियान का किया शुभारंभ

(आधुनिक समाचार सीतापुर) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने कपोजिट विद्यालय चक अहमदपुर से विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान का

विभाग से संबंधित गतिविधियों को कार्य योजना के अनुरूप कार्यवाही सुनिश्चित कराए। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान फ्रंटलाइन वर्कर्स आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के द्वारा

डॉ0 अरविंद कुमार ने बताया कि अभियान को संपादित कराने हेतु 361 ए0एन0एम 2724 आशा कार्यकर्त्री, 2443 आंगनवाड़ी कार्यकर्तियों को लगाया गया है। जनपद के 980 ग्राम पंचायतों



शुभारम्भ रैली को हरी झण्डी दिखाकर किया। इस अवसर पर दस्तक अभियान के अंतर्गत लोगों को साफ सफाई, स्वच्छता का संकल्प दिलाया गया। अभियान वेड शुभारंभ अवसर पर जिलाधिकारी ने सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि 01 से 31 अक्टूबर तक विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा 12 से 31 अक्टूबर तक दस्तक अभियान चलाया जा रहा है सभी सम्बन्धित विभागों के अधिकारी व कर्मचारी पूरी निष्ठा, लगन के साथ जनपद को स्वच्छ बनाने में सहयोग करें तथा अभियान को जनपद में गंभीरता के साथ संचालित करें। अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग, नगर विकास विभाग, पंचायती राज/ग्राम्य विकास, पशुपालन विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार, शिक्षा, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, कृषि एवं सिंचाई, उद्यान एवं सूचना विभाग समन्वित रूप से कार्यवाही संपादित कराएंगे। जिलाधिकारी ने सभी विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि उनके द्वारा अपने

प्रतिदिन अपने क्षेत्र में घरों का भ्रमण करंगी तथा बुखार के रोगियों की सूची, इनफ्लुएंजा लाइक इलनेस रोगियों की सूची, फाइलेरिया, कालाजार, क्षय रोग के लक्षण युक्त व्यक्तियों की सूची तथा कुपोषित बच्चों की सूची तैयार कर एन एन एम के माध्यम से ब्लॉक मुख्यालय पर प्रस्तुत करेंगी। जिसके लिए अतिरिक्त मेहनत करी आवश्यकता होगी। जिलाधिकारी ने संचारी रोग अभियान के तहत साफ सफाई, स्वच्छता, एटी लाखा डिस्काव, कागिंग, नाला नालियों की सफाई, तालाबों/पोखरों के पास की झाड़ियों की सफाई, सूअर बाड़ों की सफाई तथा कीटनाशक दवाओं का छिड़काव का कार्य शत प्रतिशत सुनिश्चित कराये जाने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान की साप्ताहिक समीक्षा विभाग वार की जाएगी। खराब प्रगति पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी

सहित 1551 राजस्व ग्रामों, तथा 01 नगर पालिका सहित कुल 9 नगर पंचायतों के कुल 144 वार्डों में संचारी रोगों की रोकथाम संबंधी गतिविधियां साफ-सफाई, कचरा निस्तारण, जलभराव रोकने, शुद्ध पेयजल उपलब्धता पर विशेष ध्यान देते हुए सभी सहयोगी विभागों द्वारा व्यवहार परिवर्तन व प्रचार प्रसार कराएंगे।

कार्यक्रम का संचालन एस0एस0 पाण्डेय द्वारा किया गया। इस मौके पर जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेंद्र कुमार, जिला मलेरिया अधिकारी रमेश चंद्र यादव, प्रभारी स्वास्थ्य एवं शिक्षा अधिकारी डी.एस.अस्थाना, विश्व स्वास्थ्य संगठन प्रतिनिधि डॉ0 सी.एल. पटेल, एपिडमोलॉजिस्ट डॉ0 ऋषि बागची, जे.ई. कंसल्टेंट मुआजम नकवी, मलेरिया निरीक्षक मो0 आतिफ खान, समस्त मलेरिया/फाइलेरिया निरीक्षक एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम वेड दौरान उपजिलाधिकारी डलमऊ प्रीती सिंह द्वारा गंगा की स्वच्छता और जलीय जीवों के संरक्षण को लेकर लोगों को जागरूक किया गया।

उपस्थित लोगों को गंगा को स्वच्छ रखने तथा प्रतिबंधित जालों का प्रयोग न करने की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में मत्स्य विभाग के अधिकारी, कर्मचारी तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि नाविक, मछुआरा समुदाय के प्रतिनिधि और बैडि संख्या में मत्स्य पालक/मछुआ समुदाय के लोग मौजूद रहे।

ब्योंहारी में रात के अंधेरे में सनसनीखेज हमला! बाइक रोककर युवक को पीटा, गाल पर झापड़ और कलाई में काटा-एफआईआर दर्ज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)ब्योंहारी। थाना ब्योंहारी क्षेत्र वेड ग्राम बिजहा और बरहाटोला के बीच 9 सितंबर की रात कथित मारपीट की घटना ने - सनसनी फैला दी। पुलिस में दर्ज एफआईआर के अनुसार, 42 वर्षीय उमाशंकर सोनी, निवासी ग्राम - बिजहा, रात करीब 9-30 बजे मोटरसाइकिल से अपने घर लौट रहे - थे, तभी बरहाटोला के पास कथित रूप से विजय सोनी ने उनकी बाइक को रोक लिया। एफआईआर में दर्ज शिकायत के मुताबिक, बाइक रोकने के बाद - विवाद बढ़ गया और आरोपी ने कथित तौर पर गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि

उसे गाल पर झापड़ मारा गया, जिससे वह मोटरसाइकिल सहित सड़क पर गिर गया। इसके बाद उसके साथ लात-घूंसा से मारपीट किए जाने की बात एफआईआर में दर्ज है।

बताया गया है कि शोर सुनकर बरहाटोला में मौजूद विजय सोनी नामक व्यक्ति बीच-बचाव करने के लिए दौड़ा। शिकायत के अनुसार, मारपीट के दौरान उसके दाहिने हाथ की कलाई में कथित तौर पर काट लिया गया। घटना के बाद मौके पर-भी लोगों की भीड़ जमा हो गई, जिसके बाद आरोपी के वहां से चले जाने का उल्लेख एफ आई आर में है। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि घटना के बाद उसने फोन कर अपने भाई-

परिवार को मौके पर बुलाया और बाद में थाना ब्योंहारी पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई।

एफआईआर में चोट और दर्द की शिकायत का उल्लेख किया गया है। दस्तावेज के अनुसार थाना ब्योंहारी में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296, 115 (2) और 351 (2) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। मामले की जांच के लिए नरेंद्र कुमार उपाध्याय, कार्यवाहक प्रधान आरक्षक को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

एफआईआर में लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

थाना बभनी व म्योरपुर पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा एनडीपीएस एक्ट के अभियोगों में वांछित गैर-प्रान्तीय अभियुक्त गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सीतापुर) सोनभद्र। पुलिस

बीएनएस व 8/20/27ए/29/60 एनडीपीएस एक्ट थाना म्योरपुर

इतिहास- 1. मु0अ0सं0 77/ 2025 धारा 319(2), 318(4)



अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्माड के निर्देशन में वांछित/वारण्टी एवं फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में , अपर पुलिस अधीक्षक (आपरेशन) श्री ऋषभ रुणवाल के दिशा-निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी श्री विनय कुमार साहनी के कुशल नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक बभनी एवं थानाध्यक्ष म्योरपुर द्वारा गठित संयुक्त पुलिस टीम को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई। संयुक्त पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0 77/ 2025 धारा 319(2), 318(4)

तथा मु0अ0सं0 105/2025 धारा 8/20/27ए/29/60 एनडीपीएस एक्ट थाना बभनी में वांछित अभियुक्त जहू पात्रा उर्फ दुखित मलिक पुत्र भीमा मलिक, निवासी सुगांपांगा, थाना टीकावली, जनपद कंधमाल, उड़ीसा, उम्र 26 वर्ष को गैर-प्रान्त उड़ीसा के गुच्छपाड़ा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-1. जहू पात्रा उर्फ दुखित मलिक पुत्र भीमा मलिक, निवासी सुगांपांगा, थाना टीकावली, जनपद कंधमाल, उड़ीसा, उम्र 26 वर्ष। आपराधिक

बीएनएस व 8/20/27ए/29/60 एनडीपीएस एक्ट, थाना म्योरपुर, जनपद सोनभद्र। 2. मु0अ0सं0 105/2025 धारा 8/20/27ए/29/60 एनडीपीएस एक्ट, थाना बभनी, जनपद सोनभद्र। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम:-1. उ0नि0 बलजीत भारद्वाज, थाना म्योरपुर, जनपद सोनभद्र। 2. उ0नि0 तौफिक खान, थाना बभनी, जनपद सोनभद्र। 3. का0 सुनील कुमार, थाना बभनी, जनपद सोनभद्र। 4. का0 सनोज कुमार, थाना म्योरपुर, जनपद सोनभद्र।

विमला इंटरमीडिएट कॉलेज में गांधी जयंती अभियान एवं विधिक साक्षरता शिविर आयोजित, सचिव ने विद्यार्थियों को स्वच्छता, सत्य-अहिंसा एवं पॉक्सो एक्ट के प्रति किया जागरूक

बाल अधिकारों की जानकारी देते हुए हेल्पलाइन नंबरों के बारे में किया गया जागरूक

(आधुनिक समाचार सीतापुर) सोनभद्र। 30प्र0 राज्य

विद्यार्थियों को महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा एवं स्वावलंबन के

अनिवार्य रिपोर्টিंग प्रावधान की जानकारी दी। उन्होंने नालसा की



विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार एवं माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र वेड आदेशानुसार राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर चलाए जा रहे विशेष अभियान एवं विधिक जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 01 अक्टूबर 2026 को विमला इंटरमीडिएट कॉलेज, टेंगौर नगर, रॉडटर्सजंग में एक दिवसीय विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री राहुल, सिविल जज सी0डी0/सचिव (पूर्णकालिक) द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। शिविर को संबोधित करते हुए सचिव श्री राहुल ने

विचारों को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल आसपास की सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि विचारों एवं आचरण की शुद्धता भी आवश्यक है। विधिक जागरूकता सत्र में उन्होंने पॉक्सो एक्ट-2012 एवं बाल अधिकारों की विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि 18 वर्ष से कम आयु के सभी बालक-बालिकाओं को इस अधिनियम के तहत संरक्षण प्रदान किया गया है। उन्होंने विद्यार्थियों को गुड टच एवं बैड टच के प्रति जागरूक करते हुए किसी भी अप्रिय घटना या असुरक्षित स्थिति में बिना डरे विरोध करने तथा माता-पिता एवं शिक्षकों को तत्काल सूचित करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही, बच्चों के विरुद्ध अपराध की सूचना पुलिस या बाल संरक्षण इकाई को दिए जाने संबंधी

योजनाओं के बारे में बताते हुए निःशुल्क विधिक सहायता के लिए टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 तथा चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 की जानकारी भी दी। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ शिविर का समापन हुआ।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य शिव नारायण लाल, डिप्टी चीफ ए.ए.डी.सी. सत्याराम प्रियाठी, असिस्टेंट एल.ए.डी.सी. जय प्रकाश, स्थायी लोक अदालत के सदस्य निं रज एम.एस.ई.एम.वी.एस. संस्था से राजन कुमार एवं राजीव कुमार, पराविधिक स्वयंसेवक दीपन कुमार एवं भोलानाथ, विद्यालय के शिक्षक नंदलाल शुक्ला एवं मनीष सिंह सहित अन्य शिक्षकगण, कर्मचारी तथा लगभग 82 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर ट्रेड प्रशिक्षण के लिए साक्षात्कार 05 अक्टूबर को

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्य ने बताया है कि आयुक्त एवं निदेशक उद्योग, उद्यमिता विकास, उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन निदेशालय, उत्तर प्रदेश, कानपुर वेड निर्देशानुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वेड अभ्यर्थियों को स्वरोजगार हेतु

सक्षम बनाने के उद्देश्य से कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर ट्रेड में 04 माह का निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर ट्रेड के लिए ऑनलाइन आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों का चयन साक्षात्कार समिति के माध्यम से किया जाएगा। उपायुक्त उद्योग

ने सभी ऑनलाइन आवेदनकर्ताओं को सूचित किया है कि वे अपने समस्त मूल शैक्षिक एवं अन्य आवश्यक प्रमाण-पत्रों सहित 05 अक्टूबर 2026 को प्रातः 11:00 बजे कार्यालय उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, रायबरेली में अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर साक्षात्कार में प्रतिभाग करें।

सोनभद्र में आकांक्षी जिला एवं आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम की समीक्षा, सीडीओ ने दिए सुधार के निर्देश

आकांक्षी जिला कार्यक्रम की समीक्षा में कम प्रगति वाले सूचकों पर सीडीओ ने बताया फोकस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) समीक्षा की गई। इस दौरान 77.62 प्रतिशत तथा कक्षा 8 से 9 की संक्रमण दर नागवा में



अधिकारी जागृति अवस्था की अध्यक्षता में आकांक्षी जिला कार्यक्रम (एडीपी) एवं आकांक्षी राष्ट्रीय एवं राज्य औसत से करते हुए कम प्रगति वाले सूचकों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए

शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और कौशल विकास की प्रगति की हुई समीक्षा, सुधार के लिए विभागवार कार्ययोजना के निर्देश

ब्लॉक कार्यक्रम (एबीपी) की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि एवं जल संसाधन, वित्तीय समावेशन एवं कौशल विकास तथा आधारभूत संरचना से संबंधित 49 संकेतकों एवं 81 हाटा पॉइंट की विभागवार

जीजीआईसी में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित, छात्राओं को पॉक्सो एक्ट, गुड टच-बैड टच एवं महिला सुरक्षा कानूनों की दी जानकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) राजकीय बालिका इंटर कॉलेज (जीजीआईसी), रॉबर्ट्सगंज में



जज सी 0डी 0/सचिव (पूर्णकालिक), जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जनपद सोनभद्र ने अवगत कराया कि 30प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार एवं माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र वें आदेशानुसार राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में विधिक साक्षरता कार्यक्रम के तहत आज दिनांक 30.09.2026 को प्रातः 11:00 बजे पीएम श्री

धोखाधड़ी मामले में दम्पति के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने का आदेश

एसीजेएम कोर्ट ने अनपरा थानाध्यक्ष को रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना करने एवं कृत कार्यवाई से अवगत कराने का आदेश दिया है, धोखाधड़ी कर 5 लाख 75 हजार रुपये गबन करने का है आरोप

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। धोखाधड़ी कर 5 लाख 75 हजार रुपये गबन किए जाने के मामले में अपर सिविल जज सीनियर डिवीजन/एसीजेएम, सोनभद्र अजय सिंह की आदालत ने बुधवार को सुनवाई करते हुए प्रथम दृष्टया संज्ञेय अपराध मानते हुए दम्पति के विरुद्ध अनपरा थानाध्यक्ष को एफआईआर दर्ज करने एवं विवेचना का आदेश दिया है। साथ ही कृत कार्यवाई से कोर्ट को अवगत कराने का आदेश दिया है। यह आदेश पंकज कुमार सिंह पुत्र शिव दयाल सिंह निवासी सिरसोती, नकट, थाना बीजपुर, जिला सोनभद्र द्वारा अधिवक्ता अरुण कुमार सिंघल के जरिए दाखिल 173(4)बीएनएसएस प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने दिया है। दिए प्राधान पत्र में पंकज कुमार सिंह ने अवगत कराया है कि आकाश कुमार सिंह पुत्र वीरेंद्र प्रताप सिंह व श्वेता सिंह पत्नी आकाश कुमार सिंह निवासी ग्राम चेतवा, थाना बीजपुर, जिला सोनभद्र जो पूर्व से परिचित थे उसके घर आए



म्यूचुअल बेंनिफिट इंडिया लिमिटेड शाखा अनपरा औडी मोड़, थाना अनपरा, जिला सोनभद्र का एजेंट बताया। उसने कहा कि 4वर्ष के लिए एक आरडी प्लान करा लीजिए। 10 हजार रुपये प्रतिमाह 4 वर्ष तक जमा करना होगा। 4 वर्ष बाद 6 लाख 10 हजार 800 रुपये मिलेगा। श्वेता सिंह की बातों पर विश्वास

हजार रुपये नगद देकर आरडी करा लिया। अनपरा बांच ऑफिस में 20-25 पत्रों पर हस्ताक्षर कराया गया। उसके बाद पुनः 11 अगस्त 2021 को 2 लाख रुपये फिक्स डिपॉजिट 3 वर्ष के लिए चेक के माध्यम से किया गया। जिसे भारतीय स्टेट बैंक शाखा बभनी से आकाश कुमार सिंह ने प्राप्त किया है।

टीकाकरण, संस्थागत प्रसव, नवजात शिशुओं को जन्म के एक घंटे के भीतर स्तनपान तथा SAM और MAM सहित विभिन्न संकेतकों की समीक्षा की गई। सितंबर में एक का प्रतिशत 0.12 एवं MAM का 0.93 प्रतिशत रहा। कृषि एवं पशुपालन में पशुओं के टीकाकरण की प्रगति 74.12 प्रतिशत तथा कृत्रिम गर्भाधान की कवरेज 56.44 प्रतिशत दर्ज की गई। कौशल विकास में प्रशिक्षित युवाओं में रोजगार की दर 44.23 प्रतिशत तथा पोर्टल पर पंजीकृत प्रशिक्षुओं में पूर्ण अप्रेंटिसशिप की दर 66.67 प्रतिशत रही। आधारभूत सुविधाओं के कई संकेतकों में 100 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की गई, जबकि ग्राम पंचायतों में इंटरनेट कनेक्टिविटी का संकेतक 7.89 प्रतिशत रहा। सीडीओ जागृति अवस्था ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राष्ट्रीय एवं राज्य औसत से पीछे चल रहे सभी सूचकों को प्राथमिकता के आधार पर चिन्हित करते हुए

विभागवार कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने कम प्रगति वाले सूचकों की नियमित समीक्षा, आपसी समन्वय एवं समयबद्ध कार्यवाई के माध्यम से सुधार सुनिश्चित करने तथा शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

डाक्टर कि बड़ी लापरवाही से महिला कि हुई मौत

(आधुनिक समाचार सीतापुर) सोनभद्र। राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के उरमौरा स्थित बनारस पाली हास्पिटल में पथरी के ऑपरेशन के बाद रुकमणी की मौत के मामले में स्वास्थ्य विभाग ने जांच तेज कर दी है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने मामले की जांच के लिए चार सदस्यीय समिति गठित की है। जांच के क्रम में अस्पताल प्रबंधन को एक अक्टूबर को दोपहर एक बजे कार्यालय में उपस्थित होकर अपना बयान दर्ज कराने के लिए तलब किया गया है। सीएमओ कार्यालय से 30 सितंबर को जारी आदेश में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा गुलाब शंकर, उप मुख्य चिकित्साधिकारी डा कीर्ति आजाद बिंद, एनेस्थे्टिस्ट डा राजेश कुमार सिंह और सर्जन डा अरविंद को जांच समिति में शामिल किया गया है। समिति को पूरे प्रकरण की जांच कर आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। बताया गया कि रुकमणी को पथरी के ऑपरेशन के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। ऑपरेशन के बाद हालत बिगड़ने पर उसे वाराणसी रेफर किया गया, जहां उसकी मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने अस्पताल पर इलाज में लापरवाही के आरोप लगाते हुए हंगामा किया और अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देकर कारवाई की मांग की। इस मामले में परिजन पुलिस को तहरीर दे चुके हैं। सदर कोतवाल धर्मेश सिंह का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट आने के बाद पुलिस आगे की कार्यवाई करेगी। ऐसे में अब स्वास्थ्य विभाग की जांच और अस्पताल प्रबंधन के बयान के साथ पोस्टमार्टम रिपोर्ट महत्वपूर्ण हो गई है। इस घटना के बाद निजी अस्पतालों की निगरानी और मरीजों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो रहे हैं। खासकर तब, जब इस अस्पताल में पूर्व में भी इलाज के दौरान मौतों को लेकर शिकायतें सामने आने की बात कही जा रही है। हालांकि पूर्व की घटनाओं और इस मामले में किसी चिकित्सकीय लापरवाही की पुष्टि जांच रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि अस्पताल प्रबंधन के बयान और जांच समिति की रिपोर्ट में क्या सामने आता है? इसके पहले भी बनारस पाली हास्पिटल में ऑपरेशन के दौरान मौतों हो चुकी हैं मगर कुछ खाश लोगों कि मिली भगत और पैसों के दम पर हास्पिटल का कोई कुछ बिगड़ा नहीं पता मामला रफा-दफा कर दिया जाता है ए तीसरी घटना है जो महिला कि ऑपरेशन के पश्चात मौत हो गई है स्वास्थ्य विभाग की जांच पूरी होगे के बाद ही जिम्मेदारी और आगे की कारवाई होगी।

‘ऑपरेशन शुद्धि’ के तहत थाना पिपरी पुलिस की बड़ी कार्यवाई- अन्तर्राज्यीय गांजा तस्करी से जुड़े 02 अभियुक्त गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) कार्यवाही-दिनांक 30.09.2026 को थाना पिपरी पुलिस द्वारा क्षेत्र



सोनभद्र अभिषेक वर्माड के निर्देशन में ‘ऑपरेशन शुद्धि’ के तहत मादक पदार्थों की तस्करी एवं अवैध कारोबार में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक नगर सुश्री मैक्सि टॉक एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी श्री हर्ष पाण्डेय के कुशल पर्यवेक्षण में थाना पिपरी पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना पिपरी पुलिस टीम द्वारा 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार करते हुए उनके कब्जे से 2 विक्टल 850 ग्राम अवैध गांजा, तस्करी में प्रयुक्त महिन्द्रा एक्सयूवी वाहन एवं 02 मोबाइल फोन बरामद किया गया। अभियुक्तों द्वारा पुलिस चेकिंग से बचने के उद्देश्य से वाहन पर फर्जी नम्बर प्लेट लगाई गई थी। घटना का संक्षिप्त विवरण व कृत

336(3), 340(2) बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत कर, अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। पूछताछ का विवरण- गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ में प्रकाश में आया कि उन्हें ओडिशा से गांजा लाकर महोबा पहुंचाने के लिए कहा गया था, जिसके एवज में उन्हें रु20,000- रु20,000 प्रति चक्कर देने की

वाहन पर फर्जी नम्बर प्लेट लगाकर गांजा तस्करी करने का प्रयास, 2 विक्टल 850 ग्राम अवैध गांजा बरामद (अनुमानित कीमत लगभग रु1 करोड़ 50 हजार) तस्करी में प्रयुक्त महिन्द्रा एक्सयूवी वाहन एवं 02 मोबाइल फोन बरामद, (कुल बरामदगी की अनुमानित कीमत लगभग रु1 करोड़ 10 लाख-)

बात कही गई थी। अभियुक्तों ने बताया कि इससे पूर्व भी वे एक-दो बार गांजा पहुंचा चुके हैं। अभियुक्तों के अनुसार वे दिनांक 29.09.2026 को ओडिशा से गांजा लेकर महोबा के लिए निकले थे। रास्ते में पुलिस चेकिंग देखकर उन्होंने वाहन को जंगल की ओर ले जाकर कुछ समय के लिए छिपा दिया था। पूछताछ में यह भी प्रकाश में आया कि पुलिस को भ्रमित करने के उद्देश्य से वाहन पर अलग-अलग नम्बर प्लेट का प्रयोग किया जा रहा था। पूछताछ में प्रकाश में आए तथ्यों के आधार पर गांजा तस्करी से जुड़े अन्य व्यक्तियों एवं नेटवर्क के संबंध में जांच की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण- 1. उमेश अहिरवार पुत्र राम मनोहर अहिरवार, निवासी बजरंग चौक,

02 किमी आगे, मोड़ के पास, थाना पिपरी क्षेत्र, जनपद सोनभद्र। बरामदगी का विवरण- 2 विक्टल 850 ग्राम अवैध गांजा (195 पैकेट)। महिन्द्रा एक्सयूवी वाहन। 02 अदद नम्बर प्लेट। 02 मोबाइल फोन। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम-1. थानाध्यक्ष राजेश जी चौबे, थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र। 2. उ0नि0 जितेंद्र सरोज, थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र। 3. हे0का0 अभित सिंह, थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र। 4. हे0का0 मोहन खरवार, थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र। 5. हे0का0 रामाश्रय यादव, थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र। 6. हे0का0 शिवबदन राम, थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र। 7. हे0का0 शंकर लाल, थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र।

महिला की मौत पर कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन, अस्पताल पर लापरवाही का आरोप, पति ने डीएम को सौंपा ज्ञापन, जांच कर एफआईआर दर्ज कराने की मांग; डीएम ने कार्यवाई का दिया आश्वासन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) 28 सितंबर को पत्नी रुकमणी सोनभद्र। राबर्ट्सगंज कोतवाली का पथरी का उपचार और



क्षेत्र के उरमौरा स्थित वाराणसी पॉली हास्पिटल में पथरी के ऑपरेशन के बाद महिला की मौत के मामले में बुधवार को परिजनों ने कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। उन्होंने अस्पताल के चिकित्सकों व कर्मचारियों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर जांच और एफआईआर दर्ज कराने की मांग की। जिलाधिकारी ने मामले में कार्यवाई का आश्वासन दिया। ग्राम होना निवासी श्रीनिवास ने दिए प्रार्थना-पत्र में बताया कि वह

को वाराणसी भेजा गया, जहां अस्पताल ले जाने के कुछ समय बाद उसकी मौत हो गई। पीड़ित ने आरोप लगाया कि ऑपरेशन के दौरान बरती गई लापरवाही के कारण उसकी पत्नी की हालत बिगड़ी और मौत हुई। उसने पूरे मामले की जांच कराकर दोषियों के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराने और कानूनी कार्यवाई की मांग की है। प्रदर्शन के दौरान परिजनों ने मामले में निष्पक्ष जांच की मांग उठाई। जिलाधिकारी ने मामले में आवश्यक कार्यवाई का आश्वासन दिया।

सीतापुर पुलिस की बड़ी सफलता

फर्जी बैंक मैनेजर व महिला आयकर निरीक्षक बनकर 27 लाख की ठगी करने वाले अन्तर्देशीय शातिर दंपति गिरफ्तार, 14 लाख नकद, सोने के आभूषण व कूटचरित पहचान पत्र बरामद

(आधुनिक समाचार सीतापुर) सोनभद्र। थाना कोतवाली नगर पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए फर्जी बैंक अधिकारी व आयकर निरीक्षक बनकर देश के विभिन्न राज्यों में ठगी करने वाले अंतरराज्यीय दंपति को गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्तों के कब्जे से ठगी के 14 लाख रुपये नकद, 38.740 ग्राम सोने के आभूषण, फर्जी पहचान पत्र एवं 2 एंड्रॉइड मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। घटना क्रम- फर्जी पहचान व किराए पर मकान लेना- अभियुक्तों ने मई 2026 में सीतापुर आकर रेकी की। तत्पश्चात 31 अगस्त 2026 को प्रेम नगर (सीतापुर) में रामनरेश जायसवाल के मकान में किराये पर रहने आए। रहित बाजपेयी ने खुद को पीएनबी (पंजाब नेशनल बैंक) शाखा मिश्रिख, सीतापुर का शाखा प्रबन्धक बताया तथा फर्जी आईडी कार्ड दिखाया। वहीं उसकी पत्नी अन्नू बाजपेयी ने खुद को भारत सरकार के वित्त मंत्रालय में 'इन्स्पेक्टर ऑफ इनकम टैक्स' बताकर कूटचरित पहचान पत्र दिखाया। ठगी व झंझा देकर रकम ऐठना- अभियुक्तों ने मकान मालिक व स्थानीय लोगों को विश्वास में लेकर नीलामी के गोल नकद तथा बदले जाने वाले नोटों के नाम पर रु2 लाख (कुल रु22 लाख)। दीदी प्रेमलता बाजपेयी के माध्यम से गोपाल स्टीट पर उनके विश्वासपात्र से रु1 लाख। अतुल (लॉन्ड्री संचालक) से रु4 लाख। घटना के बाद फरार होना व खरीदारी-दिनांक 14/09/2026 को ठगी के रु27 लाख लेकर अभियुक्त हटावा से बुलाई गई अटिगा कार से सीतापुर से फरार हो गए। वे आगरा, कोटा, बैतूल तथा चेन्नई आदि शहरों में गाड़ियां बदलकर छुपते रहे। ठगी के पैसों से अभियुक्तों ने बिना बिल के रु6



नीलामी के गोल हेतु रु20 लाख नकद तथा बदले जाने वाले नोटों के नाम पर रु2 लाख (कुल रु22 लाख)। दीदी प्रेमलता बाजपेयी के माध्यम से गोपाल स्टीट पर उनके विश्वासपात्र से रु1 लाख। अतुल (लॉन्ड्री संचालक) से रु4 लाख। घटना के बाद फरार होना व खरीदारी-दिनांक 14/09/2026 को ठगी के रु27 लाख लेकर अभियुक्त हटावा से बुलाई गई अटिगा कार से सीतापुर से फरार हो गए। वे आगरा, कोटा, बैतूल तथा चेन्नई आदि शहरों में गाड़ियां बदलकर छुपते रहे। ठगी के पैसों से अभियुक्तों ने बिना बिल के रु6

कोट लगे नोटों को बदलवाने के नाम पर कुल रु27 लाख की ठगी की--रामनरेश जायसवाल से रु50,000 के 2 मोबाइल फोन खरीदे, जबकि शेष रकम यात्रा, कर चुके हैं। अपराध का तरीका-- अभियुक्तगण किराए का आलीशान मकान लेकर स्थानीय लोगों में खुद को पीएनबी बैंक मैनेजर व आयकर अधिकारी बताकर विश्वास जमाते थे। इसके बाद नीलामी का सोना सस्ते दामों में दिलाने का झंझा देकर लाखों रुपये की ठगी कर फरार हो जाते थे। अभियुक्तों द्वारा उत्तर प्रदेश (सीतापुर, गाजियाबाद, बनारस, झांसी, कुशीनगर), ओडिशा (भुवनेश्वर), राजस्थान, मध्य प्रदेश व बिहार समेत कई राज्यों में इस प्रकार की ठगी की घटनाओं को अंजाम दिया जा चुका है। गिरफ्तार अभियुक्तगण-1. रोहित बाजपेई पुत्र स्व0 दिनेश चंद बाजपेई, निवासी- ग्राम/मोहल्ला यूसुफपुर, भगवान मकरंद नगर, थाना कबीज, जनपद कबीज। 2. अन्नू बाजपेई उर्फ चंद्रा पत्नी रोहित बाजपेई, निवासी- पटनी टाउन, थाना भरतपुर, जिला चितवन (नेपाल)। पुलिस टीम के इस उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य से प्रसन्न होकर पुलिस अधीक्षक सीतापुर द्वारा सफलता प्राप्त करने वाली पूरी पुलिस/स्टाफ टीम को रु25,000/- (पच्चीस हजार रुपये) के पुरस्कार से पुरस्कृत करने की घोषणा की गई है।

स्पोर्ट्स



एशियन गेम्स के 12वें दिन भारत को मिले 2 मेडल, मनु-प्रिंस की जोड़ी ने सेलिंग में सिल्वर जिताया, स्वर्ण महिला टीम को ब्रॉन्ज

स्पोर्ट डेस्क। कयाकिंग: सिखा चौहान 7वें स्थान पर रही:- भारत की सिखा चौहान महिलाओं के कयाकिंग इवेंट में 7वें स्थान पर रही। उन्होंने 14:03:00 मिनट की टाइमिंग के साथ 193.31 अंक

रन बनाए थे। पाकिस्तान ने 11.3 ओवर में 4 विकेट पर जीत हासिल कर ली। पाकिस्तान का मैच भारत-श्रीलंका के मैच की विजेता से 3 अक्टूबर को खेला जाएगा। तीरंदाजी: गणेश सेमीफाइनल

गेम्स में सेलिंग का पहला मेडल जीत लिया है। मनु फ्रांसिस और प्रिंस कुरिसिकल नोबल ने पुरुष स्किफ इवेंट में सिल्वर मेडल जीता। दोनों ने पिछले कुछ दिनों में हुई 9 रन से के बाद 23 अंक

से भारत ने 1-1 की बराबरी हासिल की। तन्वी ने पहला गेम 4-11 से गंवाने के बाद वापसी की। उन्होंने अगले तीन गेम 13-11, 11-9, 13-11 से जीते। इससे पहले चान सिन युक ने अनाहत सिंह को में 3-2 से हराया। स्कोर 11-9, 11-8, 6-11, 11-13, 10-12 रहा। अब निर्णायक मुकाबला अनुभवी जोशना चिनप्पा खेलेंगी। इस मैच के नतीजे से भारत और हॉन्ग कॉन्ग में सेमीफाइनल का विजेता तय होगा। कुश्ती: नीतेश ने क्वार्टर फाइनल जीता, सेमीफाइनल पहुंचे:- भारत के नीतेश ने पुरुषों के ग्रीको-रोमन 97 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में तुर्कमेनिस्तान के अमानबर्दी अगामममदोव को 7-1 से हराया। नीतेश ने पहले पीरियड में ही 7-0 की बढ़त बना ली थी। सेमीफाइनल में नीतेश का सामना मंगोलिया के गंखुयाग गनबातार या दक्षिण कोरिया के ली मिन-हो से होगा। गंखुयाग हांगझो एशियन गेम्स के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट हैं। कुश्ती: मानसी अहलावत सेमीफाइनल में पहुंची:- भारत की मानसी अहलावत ने महिला 62 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में साउथ कोरिया की जो सु-बीन को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। मानसी ने शुरूआत में 3-0 की बढ़त बनाई। फिर पिन से मुकाबला जीत लिया। सेमीफाइनल में उनका सामना जापान की नोनोका ओजाकी से हो सकता है। ओजाकी दो बार की वर्ल्ड चैंपियन, पेरिस ओलंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट और हांगझो एशियन गेम्स की सिल्वर मेडलिस्ट हैं। हालांकि, उन्हें पहले

पाकिस्तान से 0-3 से हार गया। पाकिस्तान ने मुकाबला 25-19, 25-23, 25-18 से जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। यह मैच एक घंटे 20 मिनट तक चला। भारत को सबसे ज्यादा 10 अंक अशवाल राय ने दिलाए। पाकिस्तान के मुराद खान ने 22 अंक लिए। इस हार के साथ भारत का एशियन गेम्स में वॉलीबॉल अभियान खत्म हो गया। रसलिंग: अमन ने मंगोलिया के पहलवान को हराया:- भारत के अमन ने पुरुषों के ग्रीको-रोमन 77 किग्रा वर्ग वे 5 प्री-क्वार्टरफाइनल में मंगोलिया के बोगिल तुवशिनबातार को 8-6 से हराया। एक समय वे 2-6 से पीछे



चल रहे थे। अमन ने लगातार रोल कर अंक जुटाए और स्कोर 8-6 कर दिया। इस जीत के साथ उन्होंने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। अब उनका सामना कतर के एशियन चैंपियन शाहिन बदायीमोफराद से होगा। वॉलीबॉल: भारतीय टीम पाकिस्तान से दूसरा सेट भी हारी:- भारत में से वॉलीबॉल के क्वार्टर फाइनल मैच में पाकिस्तान के खिलाफ 2-0 से पिछड़ गई है। पाकिस्तान ने दूसरा सेट 25-23 से जीत लिया। भारत

भारत ने वनडे में अपना सबसे बड़ा रनचेज किया, शुभमन गिल ने सबसे तेज दोहरा शतक लगाया, रोहित शर्मा के 12 हजार रन पूरे

स्पोर्ट डेस्क। भारत ने वेस्टइंडीज को दूसरे वनडे में 8 विकेट से हरा दिया। टीम ने 406 रन का टारगेट 43.3 ओवर में

हाशिम अमला 64 पारियों के साथ टॉप पर हैं। 7. गिल ने वनडे का तीसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर बनाया:- गिल ने

आकड़े तक पहुंचने वाले दूसरे सबसे तेज खिलाड़ी हैं। कोहली पहले स्थान पर हैं, जिन्होंने 242 पारियों यह उपलब्धि हासिल की थी। 11. कुलदीप ने 123 वनडे में 200 विकेट पूरे किए:- कुलदीप यादव ने 123 वनडे मैचों में 200 विकेट पूरे किए। यह वनडे में भारत के लिए दूसरा सबसे तेज 200 विकेट है। पहले स्थान पर मोहम्मद शमी हैं, जिन्होंने 104 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की थी। 12. मैच में 811 रन बने:- भारत और वेस्टइंडीज ने दोनों पारियों में मिलाकर गुवाहाटी में 811 रन बनाए। यह किसी वनडे मैच में तीसरे सबसे ज्यादा रन हैं। 2006 में ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच खेले गए मुकाबले में सबसे ज्यादा 872 रन बने थे। 13. वेस्टइंडीज ने वनडे का अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया:- वेस्टइंडीज ने गुवाहाटी में 7 विकेट पर 405 रन बनाए। यह टीम का वनडे में सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले उसका सबसे बड़ा स्कोर 389 रन था,



ही हासिल कर लिया। यह भारत का वनडे में सबसे बड़ा रनचेज है। 20 साल बाद किसी टीम ने दूसरी पारी में 400 रन चेज किए हैं। 2006 में साउथ अफ्रीका ने यह कारनामा किया था। टीम के कप्तान शुभमन गिल ने नाबाद 223 रन की पारी खेलते हुए वनडे का सबसे तेज दोहरा शतक जड़ दिया। यह रनचेज में किसी खिलाड़ी का सबसे बड़ा स्कोर भी है। वहीं मैच में शतक लगाने वाले रोहित शर्मा ने वनडे क्रिकेट में अपने 12 हजार रन पूरे कर लिए। 1. 13 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा:- भारत ने वनडे में अपना सबसे बड़ा रन चेज किया। इससे पहले टीम ने 2013 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 360 रन का टारगेट हासिल किया था। ओवरऑल यह वनडे क्रिकेट का दूसरा सबसे बड़ा सफल रनचेज है। पहले स्थान पर साउथ अफ्रीका है, जिसने 2006 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 435 रन चेज कर दिए थे। 2. भारत के नाम वनडे में सबसे ज्यादा 400 प्लस स्कोर:- भारत ने वनडे में सबसे ज्यादा बार 400+ रन बनाए हैं। टीम ने 9 बार ऐसा

वेस्टइंडीज के खिलाफ गुवाहाटी में नाबाद 223 रन की पारी खेली। यह वनडे इतिहास का तीसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत



स्कोर है। रोहित शर्मा 264 रन के साथ पहले और मार्टिन गुटिल नाबाद 237 रन की पारी के साथ दूसरे नंबर पर हैं। 8. गिल एक देश में सबसे कम नाम वनडे में सबसे ज्यादा 400 प्लस स्कोर:- भारत ने वनडे में सबसे ज्यादा बार 400+ रन बनाए हैं। टीम ने 9 बार ऐसा

जो उसने 2019 में इंग्लैंड के खिलाफ बनाया था। वेस्टइंडीज ने भारत के खिलाफ भी अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया। इससे पहले भारत वे 5 खिलाफ वेस्टइंडीज का सबसे बड़ा स्कोर 333 रन था। टीम ने यह स्कोर 1983 में जमशेदपुर में बनाया था। 14. कॅपबेल भारत के खिलाफ सबसे तेज शतक लगाने वाले वेस्टइंडीज बल्लेबाज:- जॉन कॅपबेल ने 65 गेंद पर शतक लगाया। यह भारत के खिलाफ किसी वेस्टइंडीज बल्लेबाज का सबसे तेज शतक है। इससे पहले यह रिकॉर्ड रिकार्ड पॉवेल के नाम था, जिन्होंने 1999 में 72 गेंद में शतक लगाया था। अमीर जांगू इसी मैच में 70 गेंद पर शतक लगाकर दूसरे नंबर पर हैं। यहां से टॉप-2 मोमेंट्स:- 1. शतक पूरा करने के लिए अनोखे अंदाज में दौड़े रोहित:- 26वें ओवर की पहली गेंद पर रोहित शर्मा ने शतक पूरा किया। उन्होंने विटेल लॉक्स की गेंद पर एक रन लेकर 100 रन पूरे किए। सिंगल लेने के दौरान वे अनोखे अंदाज में दौड़े। वे घुटनों को ऊंचा उठाकर धीमे दौड़ते नजर आए। शतक पूरा होते ही उन्होंने बैट हाथ में उठाकर दर्शकों का



किया है। 3. भारत वनडे में सबसे तेज 300 रन पूरे करने वाली टीम:- भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ गुवाहाटी में 29.1 ओवर में 300 रन पूरे किए। यह वनडे में किसी भी टीम के सबसे तेज 300 रन हैं। इससे पहले साउथ अफ्रीका ने 2006 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 32.2 ओवर में यह आंकड़ा हासिल किया था। 4. गिल ने सबसे तेज दोहरा शतक लगाया:- गिल ने 117 गेंद में डबल सेंचुरी पूरी की। यह वनडे क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक है। उन्होंने ईशान किशन का रिकॉर्ड तोड़ा। ईशान ने 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ 126 गेंद में 200 रन पूरे किए थे। 5. वनडे रनचेज में सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर:- गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ गुवाहाटी में नाबाद 223 रन की पारी खेली। यह वनडे रनचेज में सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है। इससे पहले ग्लेन मैक्सवेल ने 2023 में अफगानिस्तान के खिलाफ नाबाद 201 रन की पारी खेली थी। 6. गिल वनडे में सबसे तेज 11 शतक लगाने वाले भारतीय:- शुभमन गिल ने 68 पारियों में 11वां वनडे शतक पूरा किया। वे इस फॉर्मेट में भारत के लिए सबसे कम पारियों में 11 शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने कोहली के 82 पारियों का रिकॉर्ड तोड़ा। वर्ल्ड क्रिकेट में साउथ अफ्रीका के

सबसे तेज 2 हजार वनडे रन हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज में डेसमंड हेन्स की 36 पारियों का रिकॉर्ड तोड़ा। 9. सचिन-कोहली के



क्लब में शामिल हुए रोहित:- रोहित ने मैच में 73वां रन पूरा करते ही वनडे में अपने 12 हजार रन पूरे कर लिए। वे भारत के लिए 12 हजार रन बनाने वाले तीसरे और ओवरऑल सातवें बल्लेबाज हैं। उनसे पहले सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। 10. रोहित ने 282 पारियों में 12 हजार वनडे रन पूरे किए:- रोहित ने 282 पारियों में 12 हजार वनडे रन पूरे किए। वे इस

अभिवादन किया। 2. गिल ने हेलमेट बैट पर रखकर डबल सेंचुरी का जश्न मनाया:- गिल ने 39वें ओवर में विटेल लॉक्स की गेंद पर एक रन लेकर करियर का दूसरा दोहरा शतक लगाया। 200 रन पूरा करते ही पहले वे हवा में उछले। फिर हेलमेट उतारकर उसे बैट पर रखा और हेंड हाथ में पकड़कर उसे हवा में लहराया। इसके साथ ही उन्होंने ड्रेसिंग रूम में अपने साथी खिलाड़ियों और दर्शकों का अभिवादन किया।



हासिल किए। मेजबान जापान पहले, चीन दूसरे और कजाकिस्तान तीसरे स्थान पर रहा। भारत ने एशियन गेम्स में गुरुवार को तीसरा मेडल जीत लिया है। तीरंदाजी गणेश मणि रत्नम ने पुरुषों के कंपाउंड इंडिविजुअल्स इवेंट में ब्रॉन्ज हासिल किया। इससे पहले स्वर्ण में भारतीय महिला टीम ने ब्रॉन्ज और मनु फ्रांसिस और प्रिंस कुरिसिकल की जोड़ी ने



सेलिंग में सिल्वर मेडल दिलाए। भारत जापान के नागोया में चल रहे गेम्स के 12वें दिन मेडल टेली में 8वें स्थान पर हैं। उसके पास 63 मेडल हो गए हैं। इनमें 10 गोल्ड, 22 सिल्वर और 31 ब्रॉन्ज शामिल हैं। गणेश मणि रत्नम ने ब्रॉन्ज जीता, तीरंदाजी में चौथा मेडल आया:- भारत के गणेश मणि रत्नम धिरुमुरु ने पुरुषों के कंपाउंड इंडिविजुअल के ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में वियतनाम के कोंग डुक डांग को 149-144 से हराया। यह एशियन गेम्स में उनका दूसरा मेडल है। एशियाड के इस एडिशन में तीरंदाजी ने भारत को चौथा मेडल दिलाया है। एक दिन पहले 3 गोल्ड आए थे। हालांकि, पिछले एशियन गेम्स के 5 गोल्ड से कम है। तीरंदाजी: गणेश की बढ़त दोगुनी हुई, दूसरा सेट भी जीता- ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले के दूसरे सेट की शुरुआत में भारत के गणेश मणि रत्नम धिरुमुरु और वियतनाम के कोंग डुक डांग ने 10-10 अंक लगाए। इसके बाद कोंग ने फिर 9 अंक का तीर लगाया, जबकि गणेश ने 10 अंक हासिल कर बढ़त 2 अंक की कर ली। कोंग ने एंड का आखिरी तीर 10 अंक का लगाया और 58 तक पहुंचे। गणेश ने भी 10 अंक के साथ दूसरा एंड पूरा किया। वह अब तक इस मुकाबले में हार तीर पर 10 अंक हासिल कर चुके हैं। दूसरे सेट के बाद गणेश 60-58 से आगे हैं। तीरंदाजी: गणेश ने ब्रॉन्ज मेडल मैच में आगे, पहला सेट जीता:- कंपाउंड इंडिविजुअल के ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में भारत के गणेश मणि रत्नम धिरुमुरु ने शानदार शुरुआत की। वियतनाम के कोंग डुक डांग और गणेश ने पहले तीर पर 10 अंक लगाए। कोंग ने दूसरे तीर पर 9 अंक बनाए, जबकि गणेश ने फिर 10 अंक हासिल किया। कोंग ने तीसरे तीर पर 10 अंक के साथ पहला एंड 29/30 पर खत्म किया। गणेश ने 30/30 का स्कोर बनाया। 1 अंक की बढ़त हासिल कर ली। पाकिस्तान में सस क्रिकेट के फाइनल में, बांग्लादेश को हराया:- पाकिस्तान ने सस क्रिकेट के फाइनल में जगह बना ली है। उसने गुरुवार को पहले सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 6 विकेट से हराया। निशिन के कोरोगो स्पॉट्स पार्क में बारिश से प्रभावित इस मैच को 13-13 ओवर का किया गया था। बांग्लादेश ने 7 विकेट पर 111

हारे, ब्रॉन्ज मेडल के लिए खेलेंगे:- भारत के गणेश मणि रत्नम धिरुमुरु पुरुषों के कंपाउंड इंडिविजुअल के सेमीफाइनल में साउथ कोरिया के किम जोंगहो से 144-148 से हार गए। 5वें एंड में गणेश ने लगातार दो 9 अंक लगाए, जिससे मुकाबला उनके हाथ से निकल गया। किम जोंगहो जीत के साथ फाइनल में पहुंच गए। गणेश अब ब्रॉन्ज मेडल के मुकाबले में उतरेंगे। टेनिस: सुमित नागल क्वार्टर फाइनल में हारे, भारत को 40 साल में पहली बार मेडल नहीं:- भारत के सुमित नागल पुरुष सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में चीन के वू यिबिंग से 4-6, 4-6 से हार गए। इस हार के साथ एशियन गेम्स में भारत का टेनिस अभियान बिना मेडल के खत्म हो गया। एशियन गेम्स में करीब 40

हासिल किए। चीन ने गोल्ड मेडल जीता, जबकि हांगकांग को ब्रॉन्ज मिला। जुड़ो: यामिनी मौर्य क्वार्टर फाइनल हारी, इनुंगनबी अंतिम- 8 में:- भारत की यामिनी मौर्य महिला 57 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में मंगोलिया की अरियुजया तैरबिश से युको के जरिए हार गई। अब वे रेपेचेज में जापान की मियो शिराकाने से खेलेंगी। जीतने पर ब्रॉन्ज के लिए मुकाबला करेंगी। इनुंगनबी ताखेल्लामबम ने महिला 70 किग्रा वर्ग में नेपाल की पुनम श्रेष्ठा को इप्पोन से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। अब उनका सामना नॉर्थ कोरिया की मुन सोंग हुई से होगा। कुश्ती: नीतेश फाइनल में पहुंचे, भारत का पहला



मेडल पक्का:- भारत के नीतेश सिवाच ने पुरुषों के ग्रीको-रोमन 97 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में शानदार जीत दर्ज की। उन्होंने हांगझो एशियन गेम्स के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट मंगोलिया के गंखुयाग गनबातार को 9-0 से हराया। इस जीत के साथ नीतेश ने फाइनल में जगह बना ली। इसी के साथ भारत का 2026 एशियन गेम्स में कुश्ती का पहला मेडल पक्का हो गया। नीतेश ने इसी साल एशियन चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीता था। फाइनल में उनका सामना ईरान के मेहदी बालिहामजेहदेह या जापान के यूरी नाकाजातो से होगा। फाइनल आज बाद में खेला जाएगा। वृश्चती: मानसी सेमीफाइनल में हारी, अब ब्रॉन्ज के लिए खेलेंगी:- भारत की मानसी अहलावत महिला 62 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में जापान की दो बार की वर्ल्ड चैंपियन नोनोका ओजाकी से 0-6 से हार गई। ओजाकी ने शुरुआत में टेकडाउन से 2 अंक लिए और फिर एक और टेकडाउन से बढ़त 4-0 कर दी। उन्होंने द सार पीरियड में भी मानसी को अंक नहीं दिया। बाद में एक और टेकडाउन से स्कोर 6-0 कर दिया। मानसी अब रेपेचेज में खेलेंगी। यहां जीतने पर वे ब्रॉन्ज के लिए मैच करेंगी। स्वर्णश: अनाहत सिंह हारी, तन्वी ने भारत की वापसी कराई:- तन्वी खन्ना ने स्वर्णश महिला टीम इवेंट के सेमीफाइनल में हॉन्ग कॉन्ग के खिलाफ भारत की वापसी कराई। उन्होंने वर्ल्ड नंबर-33 ली का यी को 3-1 से हराया। उनकी जीत

मंगोलिया की अल्टजिन टोगतुख को क्वार्टर फाइनल में हराना होगा। कुश्ती: सुमित दलाल क्वार्टर फाइनल में हारे, रेपेचेज की उम्मीद बरकरार:- भारत के सुमित दलाल पुरुषों के ग्रीको-रोमन 60 किग्रा क्वार्टर फाइनल में ईरान के सज्जाद अब्बासपोररागानी से हार गए। मुकाबला 1-1 से बराबर रहा, लेकिन ईरानी पहलवान ने वीपीथ के आधार पर जीत दर्ज की। सुमित एशियन गेम्स में जूनियर एशियन चैंपियन के रूप में उतरे थे। अगर अब्बासपोररागानी फाइनल में पहुंचते हैं, तो सुमित को रेपेचेज के जरिए ब्रॉन्ज मेडल के लिए खेलने का मौका मिल सकता है। कुश्ती: मानसी क्वार्टर फाइनल में, कजाकिस्तान की पहलवान को हराया:- भारत की मानसी ने महिला 62 किग्रा वर्ग के प्री-क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान की इरीना कुजनेत्सोवा को 6-1 से हराया। वे क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। मानसी का सामना साउथ कोरिया की जो सु-बीन से होगा। 59 किग्रा वर्ग की पूर्व वर्ल्ड चैंपियनशिप ब्रॉन्ज मेडलिस्ट मानसी पूरे मुकाबले में हावी रहें। इरीना उनके सामने कोई चुनौती पेश नहीं कर सकी। मानसी ने इस साल बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज में भी इरीना को हराया था। जुड़ो: यामिनी मौर्य क्वार्टर फाइनल में पहुंची:- भारतीय की जुड़ो खिलाड़ी यामिनी मौर्य ने महिला 57 किग्रा वर्ग के प्री-क्वार्टरफाइनल में कतर की फतेना बु-काहस को इप्पोन से हराया। इस जीत के साथ उन्होंने क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। अब यामिनी का सामना मंगोलिया की अरियुजया तैरबिश से होगा। मुकाबला अगले एक घंटे में होगा। वॉलीबॉल: भारतीय पुरुष टीम पाकिस्तान से 0-3 से हारी:- भारत पुरुष वॉलीबॉल क्वार्टर फाइनल में

के पास दूसरे सेट में वापसी का अच्छा मौका था। टीम एक समय 19-16 से आगे थी, लेकिन अहम समय पर लगातार गलतियां कीं और बढ़त गंवा दी। ताइक्वांडो: रूपा पूमसे इवेंट के फाइनल की रस से बाहर:- भारत की रूपा बायोर महिला व्यक्तिगत पूमसे के सेमीफाइनल में 7.6100 अंक के साथ पांचवें स्थान पर रही। वे फाइनल की दौड़ से बाहर हो गईं। पूमसे में खिलाड़ी अकेले कई मुवमेंट का प्रदर्शन करता है। इसमें किसी प्रतिद्वंद्वी से मुकाबला नहीं होता। प्रदर्शन का आकलन स्टीकता और प्रस्तुति के आधार पर किया जाता है। वॉलीबॉल: पाकिस्तान ने पहला सेट 25-19 से जीता:- भारत और पाकिस्तान के बीच पुरुष क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान ने पहला सेट 25-19 से जीत लिया। भारत ने सेट के शुरुआती और आखिरी हिस्से में पाकिस्तान को कड़ी टक्कर दी। हालांकि, बीच में भारत ने लगातार 5 अंक गंवा दिए। यही अंतर सेट का नतीजा तय करने वाला रहा। भारत अब अगले सेट में वापसी की कोशिश करेगा। तीरंदाजी: चिकिता तनिपाथी क्वार्टर फाइनल में हारी:- भारत की चिकिता तनिपाथी कंपाउंड महिला व्यक्तिगत स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गईं। उन्हें इंडोनेशिया की नुरिसा दियाय अशरिफाह ने 144-143 से हराया। चिकिता ने कड़े मुकाबले में सिर्फ 1 अंक के अंतर से मैच गंवाया। इससे पहले वे एशियन गेम्स में दो गोल्ड जीत चुकी हैं। सेपकटकरा: पुरुष टीम की लगातार दूसरी जीत, मेडल से एक कदम दूर:- भारत ने पुरुष क्वाइट के आखिरी ग्रुप मैच में वियतनाम को 2-0 से हराया। भारत ने दोनों गेम 15-12, 15-9 से जीते। भारत ने ग्रुप में अब तक दोनों मैच जीते हैं। टीम का अगला मैच योमार से होगा। सेमीफाइनल में पहुंचते ही भारत का मेडल पक्का हो जाएगा।



गणेश मणि रत्नम क्वार्टर फाइनल में:- एशियन गेम्स में कंपाउंड तीरंदाजी की आखिरी स्पर्धा शुरू हो गई है। भारत के गणेश मणि रत्नम धिरुमुरु पुरुष व्यक्तिगत कंपाउंड के क्वार्टर फाइनल में चीनी तापे के चैन-चिएह लुन के खिलाफ उतरेंगे। सेलिंग: मनु-प्रिंस ने जीता सिल्वर:- भारत ने एशियन

खेलेंगी। यहां जीतने पर वे ब्रॉन्ज के लिए मैच करेंगी। स्वर्णश: अनाहत सिंह हारी, तन्वी ने भारत की वापसी कराई:- तन्वी खन्ना ने स्वर्णश महिला टीम इवेंट के सेमीफाइनल में हॉन्ग कॉन्ग के खिलाफ भारत की वापसी कराई। उन्होंने वर्ल्ड नंबर-33 ली का यी को 3-1 से हराया। उनकी जीत

निजता को बनाए रखें और? गोपनीयता पर सजग रहें?

वैसे तो हर व्यक्ति रहस्यमयी है। वह क्या सोच रहा है और आपके साथ उसका क्या व्यवहार है, उग्र बीत जाती है और आप जान नहीं पाते हैं। गहन संबंधों में भी यह बात चलती है। दो शब्द हैं- निजता और गोपनीयता। सबसे निकट का संबंध है पति-पत्नी का। इन दोनों के बीच भी

यह स्थिति बनती है। इस रिश्ते में गोपनीयता होनी भी नहीं चाहिए। लेकिन स्त्री और पुरुष की निजता बची रहनी चाहिए, क्योंकि हर मनुष्य स्थान और ईंसान के मामले में निजता चाहता है।

समझदार जोड़े एक-दूसरे के प्रति गोपनीयता नहीं रखते।

200फीसदी पारदर्शिता का रिश्ता है यह। लेकिन एक-दूसरे की निजता का अत्यधिक मान भी करते हैं, क्योंकि निजता का संबंध कहीं ना कहीं आत्मसम्मान से भी है।

हम बुद्ध के उदाहरण से समझ सकते हैं। बुद्ध अत्यधिक रहस्यमयी थे, लेकिन डरावने

नहीं थे। वे उतने ही दयालु थे। हम जब भी सार्वजनिक जीवन में हो,

पारिवारिक जीवन में रहें, अपनी और दूसरों की निजता बनाए रखें और गोपनीयता कहां आवश्यक है और कहां नहीं, इसके प्रति भी जागरूक रहें। पं. विजयशंकर मेहता

दुनिया के शहर मिलकर भी क्लाइमेट

चेंज से लड़ सकते हैं

जलवायु परिवर्तन के खिलाफ पूरी दुनिया ही एकजुट लड़ रही है। इस संघर्ष में लक्ष्यों और प्रतिबद्धताओं की कोई कमी नहीं रही है। लेकिन अंततः लोग इस दिशा में हुई प्रगति का आकलन इस आधार पर करते हैं कि वे अपने दैनिक जीवन में क्या अनुभव करते हैं। और जलवायु कार्रवाई का प्रभाव दुनिया के शहरों में सबसे अधिक प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देता है। शहरों में यह



समझ अब बनने लगी है कि ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन कम करने और जलवायु संबंधी चुनौतियों का सामना करने की क्षमता बढ़ाने वाले उपाय लोगों के दैनिक जीवन को भी बेहतर बनाते हैं। एनजी-इफिशिएंट घर बिजली के बिल को कम करते हैं। रिन्यूएबल एनर्जी आयातित-ईंधनों पर निर्भरता और तेल-गैस की कीमतों में उछाल से पैदा होने वाली मुश्किलों को कम करती हैं। बेहतर सार्वजनिक परिवहन और सुरक्षित साइकिल इंफ्रास्ट्रक्चर लोगों को आने-जाने के लिए अधिक किफायती और स्वस्थ

लू, बाढ़, सूखा और एक्स्ट्रीम-मौसम की घटनाएं लगातार अधिक तीव्र हो रही हैं। शहर और उनके निवासी इन चुनौतियों का सबसे पहले सामना कर रहे हैं। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन का सामना करने के लिए एडाप्टेशन के उपायों को भी आगे बढ़ाना होगा। दुनिया भर में स्थानीय नेतृत्व स्कूलों, अस्पतालों, नर्सिंग होम्स और सार्वजनिक स्थलों को अत्यधिक गर्मी तथा अन्य जलवायु जोखिमों से नागरिकों की सुरक्षा के लिए अनुकूल बनाने के प्रयास कर रहा है। छायादार व्यवस्थाएं, ग्रीन रूफ और प्राकृतिक कूलिंग

मिलकर उस प्रगति को और तेज करने के लिए सहयोग कर रहे हैं, जो उन्होंने अलग-अलग स्तर पर हासिल की हैं। पिछले एक दशक में ग्लोबल कोवेनंट ऑफ मेयर्स फॉर क्लाइमेट एंड एनर्जी (जीसीओएम) 150 देशों के 14,000 से अधिक शहरों और स्थानीय सरकारों के गठबंधन के रूप में विकसित हुआ है, जो एक अरब से अधिक लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। इसमें भारत के भी 29 शहर शामिल हैं और सबसे नया सदस्य तिरुवनंतपुरम है। इसके अनेक सदस्य शहरों ने अपनी सरकारों की तुलना में अधिक महत्वाकांक्षी

भारतीय के बजाय विदेशी कंपनियों को टैक्स छूट क्यों?

एआई के लिए सेमीकंडक्टर बनाने वाली एनवीडिया कंपनी की वैल्यू भारत की जीडीपी से ज्यादा है। इलॉन मस्क अपनी स्पेस एक्स कंपनी के शेयरों के दम पर 174 देशों से भी अधिक

में विदेशी क्लउड कम्पनियों को साल 2047 तक इनकम टैक्स में छूट दे दी गई है। इस टैक्स छूट की वजह से अगले चार सालों में 5000 मेगावॉट यानी पांच गीगावॉट के विदेशी डेटा सेंटरस

में ऑफिस स्थापित करने की बाध्यता नहीं है, इससे भारत के श्रम कानून उन पर लागू नहीं होंगे। विदेशी डेटा सेंटर कंपनियों को राज्यों की सरकारें जमीनों का आवंटन और रियायतें दे रही

वाले भारत में नदियां और तालाब पहले ही सूख रहे हैं। गर्मी से भारत की जीडीपी को 4.5 फीसदी का झटका लग सकता है। भारत में 60 करोड़ से ज्यादा लोग जल संकट से



सम्पत्ति वाले दुनिया के सबसे रईस व्यक्ति बन गए हैं। डेटा, तेल और एआई- इन तीन बड़ी बातों से डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिका की बादशाहत को कायम रखने की कोशिश कर रहे हैं। अगले 5 सालों में 500 अरब डॉलर यानी 47 लाख करोड़ रुपए की अमेरिकी वस्तुओं और सेवाओं के आयात के लिए भारत पर दबाव बढ़ रहा है। उसी कड़ी में भारत में डेटा सेंटर की स्थापना हो रही है, क्योंकि अमेरिकी डेटा सेंटरों का लिए मशीनों और सेवाओं का भारत में आयात होगा। इस परिदृश्य के पांच पहलुओं को समझना जरूरी है : 1. अमेरिकी एआई कंपनियों को सफल होने के लिए बड़े पैमाने पर डेटा सेंटर की जरूरत है। हमारे आम बजट में सिर्फ 1 साल के लिए टैक्स के नियम बनाए जाते हैं। लेकिन अमेरिका के दबाव में इस साल के बजट

स्थापित करने का लक्ष्य है। स्वदेशी कंपनियों को टैक्स छूट नहीं मिलना संविधान की समानता के उल्लंघन के साथ सार्वभौमिकता का भी हनन है। 2. दुनिया के कुल डेटा का लगभग 25फीसदी भारत से जनरेट हो रहा है। भारत में डेटा सुरक्षा कानून लागू नहीं होने से अमेरिका की टेक कंपनियां और मालिक मालामाल हो रहे हैं। पिछले साल यूपीआई से 314 लाख करोड़ के लेनदेन हुए, जो ग्लोबल रियल टाइम पेमेंट का 49फीसदी है। रिजर्व बैंक ने 2018 में डेटा को भारत में सुरक्षित रखने के लिए नियम बनाए थे, जिन्हें विदेशी कंपनियों को लागू नहीं किया जा रहा है। 3. केंद्र सरकार ने पिछले साल कहा था कि विदेशी कंपनियों को भारत में परमानेंट एस्टैब्लिशमेंट स्थापित करने के बाद ही टैक्स में छूट मिलेगी। अब उन्हें भारत

हैं। खरबों डॉलर के निवेश वाले इन डेटा सेंटरस से औद्योगिक क्रांति नहीं होने से दीर्घकालिक रोजगारों का सृजन भी नहीं होगा। 4. डेटा सेंटरस को चौबीसों घंटे बिजली चाहिए या डीजल वाले जनरेटर सेट के बैंकअप की जरूरत होगी। चार सालों में डेटा सेंटरस में बिजली की खपत 6 गुना बढ़ जाएगी। इनकी सहूलियत के लिए भारत में परमाणु बिजली का कानून नया बनाया गया है।

इनसे चेन्नॉबिल जैसे हादसे होने का खतरा बढ़ गया है। राज्यों की बिजली कंपनियां सात लाख करोड़ के कर्ज से दबी हैं। डेटा सेंटरस की वजह में ऊर्जा के साथ विदेशी मुद्रा का संकट गहरा सकता है। 5. गर्मी के उत्सर्जन और रैंडिएशन की वजह से अमेरिकी डेटा सेंटर बंद करने का आंदोलन चल रहा है। दुनिया के सबसे गर्म 100 शहरों

प्रस्त हैं। खरबों गैलन पानी निगलने वाले डेटा सेंटरस की वजह से भूगर्भजल के साथ पेयजल का संकट गहरा सकता है। अंतरिक्ष और समुद्र में डेटा सेंटर के ख़ाब बेचकर मस्क टेक-कूबेर बन गए हैं। गरीबी, एकाधिकार, बेरोजगारी, जलवायु जोखिम और साम्राज्यवाद बढ़ाने वाले विदेशी डेटा सेंटरस की टैक्स छूट खत्म हो। संविधान के अनुसार डेटा सेंटरस में पर्यावरण संरक्षण और श्रम कानूनों को लागू करने की जरूरत है। हमारे आम बजट में सिर्फ 1 साल के लिए टैक्स के नियम बनाए जाते हैं। लेकिन अमेरिका के दबाव से इस साल के बजट में विदेशी क्लउड कम्पनियों को साल 2047 तक इनकम टैक्स में छूट दे दी गई है। इसका क्या कारण है? (ये लेखक के अपने विचार हैं,विराग गुप्ता)

बहुत सारे नए रोजगार भी क्रिएट करेगा एआई

तो क्या एआई हमारी नौकरियां खाने जा रहा है? अभी तो कोई नहीं जानता कि यह

पैदा होने वाले नए डेटा के प्रति एडाप्टिव भी हों। एआई को अपनाने में बाधा डालने वाला एक अन्य

प्रोडक्टिविटी में वृद्धि है (यह नहीं कि यह मानव-श्रम की तुलना में सस्ता पड़ता है), तो कंपनियों की



कितनी तेजी से होगा, कितना व्यापक होगा और इसका सबसे अधिक असर किन सेक्टर पर पड़ेगा। बहुत कुछ इस पर निर्भर करेगा कि अलग-अलग कंपनियां इस तकनीक को अपने कामकाज में कितनी तेजी से लागू करती हैं।अमेरिकी जनगणना ब्यूरो के हालिया बिजनेस ट्रेंड्स एंड आउटलुक सर्वे के अनुसार, 20 से कम कर्मचारियों वाली केवल 20इ कंपनियां ही वर्तमान में एआई का इस्तेमाल करती हैं, जबकि कम से कम 250 कर्मचारियों वाले 37फीसदी बिजनेसों में एआई का इस्तेमाल किया जा रहा है। यानी बड़ी कंपनियां इस तकनीक का अधिक उपयोग कर रही हैं, लेकिन 37फीसदी का आंकड़ा भी कम ही है। फिलहाल, एआई को अपनाने की राह में एक बड़ी बाधा यह है कि पहले से ही असाधारण क्षमताओं वाली इस तकनीक को मौजूदा वर्कफ़्लो में इस तरह से कैसे समायोजित करें कि कंपनियां उसका पूरा लाभ उठा सकें। इसके लिए ऐसे मॉडल जरूरी हैं, जो न केवल मौजूदा डेटा पर प्रशिक्षित हों, बल्कि रोजमर्रा के इस्तेमाल से

पैक्टर लागूवां को लेकर अनिश्चितता है। कई बड़ी कंपनियां अभी भी पायलट प्रोजेक्ट चला रही हैं और नियुक्ति या छंटनी के फैसले टाल रही हैं, क्योंकि वे स्थिति के और स्पष्ट होने का इंतजार कर रही हैं। लेकिन प्रतिस्पर्धात्मक दबाव उन्हें इस तकनीक को अपनाने के लिए मजबूर करेगा ही। इसके बावजूद, रोजगार के लिहाज से भविष्य पूरी तरह निराशाजनक नहीं है। अगर कंपनियां वही वस्तुएं बनाती और वही सेवाएं उपलब्ध कराती रहती हैं- जो वे अभी करती हैं- तो एआई को अपनाने का प्रभाव वही होगा, जो किसी भी नई तकनीक का होता है। हां, कुछ नौकरियां जरूर गैर-जरूरी हो जाएंगी, लेकिन कुछ अधिक प्रोडक्टिव और दिलचस्प भी होंगी। ऐसा इसलिए, क्योंकि एआई उबाऊ और दोहराव वाले कामों को कम करेगा और उन कामों में मदद करेगा, जिन्हें ईंसान ज्यादा अच्छी तरह से नहीं कर पाते हैं। साथ ही, नई नौकरियां भी पैदा होंगी- जैसे एआई इंजीनियरों की, जो इस तकनीक के इंप्लीमेंटेशन की निगरानी करेंगे। इसके अलावा, अगर एआई को अपनाने की वजह

कम लागत में अधिक उत्पादन करने की क्षमता उन्हें कीमतें घटाने और बिक्री बढ़ाने में सक्षम बनाएगी। यह प्रसिद्ध जेवन्स-इफेक्ट है और इससे रोजगार भी बढ़ने चाहिए। आशावादी होने का एक और कारण यह है कि एआई नए बिजनेस खड़े करने में मदद कर सकता है। मान लीजिए कि कोई व्यक्ति फर्नीचर बनाने का कारोबार शुरू करना चाहता है, लेकिन वह इसलिए हिचकिचाता है क्योंकि इसके लिए उसे एक वेब-प्रोग्रामर और अकाउंटेंट की जरूरत है। अगर एआई ये दोनों भूमिकाएं निभा सके, तो शायद वह काफी कम लागत में एकल स्वामित्व वाला व्यवसाय शुरू कर सकता है। महामारी के दौरान स्टार्टअप की संख्या पहले ही काफी बढ़ गई थी और हाल की तिमाहियों में इसमें और वृद्धि हुई है। अर्थशास्त्री डेविड ओटर बताते हैं कि एआई मध्यम कौशल वाले कामगारों को हाई-स्किल्स से लैस कर सकता है। इसका उदाहरण कोई नर्स प्रैक्टिशनर है, जो मेडिकल एआई की मदद से कहीं अधिक बीमारियों की पहचान और इलाज कर सकती है। दुनिया भर में चिकित्सा-सेवाओं की भारी मांग को

देखते हुए इस क्षेत्र में नए रोजगार पैदा करने की काफी गुंजाइश है। यह समझते हुए कि एआई के कारण नौकरियों के संकट का पहला दौर आखिरी नहीं होगा, कंपनियों को समय-समय पर कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने और जहां तक संभव हो, उन्हें नौकरी पर बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत होगी। सरकारें कर्मचारियों को दिए जाने वाले अतिरिक्त प्रशिक्षण के लिए टैक्स-क्रेडिट पर विचार कर सकती हैं, जिसमें कर्मचारी के काम पर बने रहने पर हर साल प्रशिक्षण की लागत का एक-तिहाई इस्तेमाल किया जा सके। अगर सरकार ऐसी नीति एआई अपनाने वाली कंपनियों पर लागू करना चाहती है, तो वो यह भी कर सकती है कि इस क्रेडिट का इस्तेमाल केवल टोकन टैक्स की भरपाई के लिए हो। हालांकि, कर्-प्रोत्साहनों से भी अधिक महत्वपूर्ण यह होगा कि कंपनियां स्वीकारें वे अपने कर्मचारियों को अनिश्चित भविष्य से निपटने में मदद करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। जैसे-जैसे रोजगार को लेकर अनिश्चितता बढ़ेगी, सबसे योग्य और प्रतिभाशाली लोग भी ऐसे एम्प्लॉयर के यहां नौकरी स्वीकार करने के लिए चिंतित हो सकते हैं, जो जब चाहे उन्हें नौकरी से निकाल सकता है। जो एम्प्लॉयर अपने कर्मचारियों को सहयोग देने का वादा करेंगे, उन्हें अंततः एक अतिरिक्त लाभ भी मिल सकता है : उनकी प्रतीक्षा बढ़ेगी तो उनके पास चुनने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले उम्मीदवारों का एक बड़ा पूल होगा। भविष्य निराशाजनक नहीं है-रोजगार के लिहाज से भविष्य पूरी तरह निराशाजनक नहीं है। एआई को अपनाने का प्रभाव वही होगा, जो किसी भी नई तकनीक का होता है। कुछ नौकरियां जरूर गैर-जरूरी हो जाएंगी, लेकिन कुछ अधिक प्रोडक्टिव भी होंगी। नई नौकरियां भी पैदा होंगी- जैसे एआई इंजीनियरों की। रघुराम राजन

मुनाफा तय न करे कि कौन-सी जांच हो और कौन-सी दवा दें

भारत में निजी अस्पताल में दाखिले के साथ ही मरीज और परिवार के सामने दूविधाएं आ खड़ी होती हैं। अंतिम बिल कितना होगा, यह अकसर इलाज पूरा होने तक स्पष्ट नहीं होता। संसद में 7 अगस्त 2026 को पेश स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संबंधी संसदीय स्थायी समिति की 176वीं रिपोर्ट ने इसी चिंता को सामने रखा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार निजी अस्पताल में भर्ती होने का औसत खर्च 50,508 रुपये है, जबकि सरकारी अस्पताल में यह 6,631 रुपये है। प्रसव पर निजी संस्थान में औसत जेब खर्च 37,630 रुपये है, जबकि सरकारी संस्थान में केवल 2,299 रुपये। समिति ने कुल 368 सिफारिशें की हैं। इनमें इलाज शुरू होने से पहले संभावित खर्च बताना, मानकीकृत पैकेज दरें तय करना और अस्पतालों के शुल्क में पारदर्शिता बढ़ाना शामिल है। एक सुझाव यह भी है कि महानगरों में निजी अस्पतालों के सामान्य कमरों का शुल्क आसपास के तीन सितारा होटलों के औसत किराये से अधिक न हो। बड़े कॉर्पोरेट अस्पतालों से अपेक्षा की गई है कि मेडिकल ट्रिज्म, विदेशी मरीजों और संपन्न वर्ग से होने वाली आय का कुछ लाभ गरीबों तक पहुंचे।

निजी अस्पताल में भर्ती होने का औसत खर्च 50,508 रुपये है, जबकि सरकारी अस्पताल में यह 6,631 रुपये है। प्रसव पर निजी संस्थान में औसत जेब खर्च 37,630 रुपये है, जबकि सरकारी संस्थान में केवल 2,299 रुपये। समिति ने कुल 368 सिफारिशें की हैं। इनमें इलाज शुरू होने से पहले संभावित खर्च बताना, मानकीकृत पैकेज दरें तय करना और अस्पतालों के शुल्क में पारदर्शिता बढ़ाना शामिल है। एक सुझाव यह भी है कि महानगरों में निजी अस्पतालों के सामान्य कमरों का शुल्क आसपास के तीन सितारा होटलों के औसत किराये से अधिक न हो। बड़े कॉर्पोरेट अस्पतालों से अपेक्षा की गई है कि मेडिकल ट्रिज्म, विदेशी मरीजों और संपन्न वर्ग से होने वाली आय का कुछ लाभ गरीबों तक पहुंचे।

कि पूंजी से मिलने वाले लाभ की अपेक्षा कहीं चिकित्सा निर्णयों को प्रभावित न करने लगे। स्वास्थ्य-सेवा सामान्य बाजार नहीं है। बीमार व्यक्ति कार या मोबाइल खरीदने वाले ग्राहक की तरह अलग-अलग दुकानों में कीमतों की तुलना नहीं कर सकता। अस्पताल ही काफी हद तक तय करता है कि मरीज का क्या इलाज करना है।एमआरआई जरूरी है या नहीं, भर्ती दो दिन और चले या

हैं जिनसे मरीज को जीवनभर कोई नुकसान नहीं होता। फिर उनके पीछे नई जांचें होती हैं। सामान्य सीमा के आसपास की स्थिति बीमारी घोषित हो सकती है। जिसे घर पर दवाओं व निगरानी से संभाला जा सकता था, वह अस्पताल में भर्ती हो सकता है। जहां इंतजार और निगरानी उचित थी, वहां प्रक्रिया की सलाह दी जा सकती है। सी जे रिचयन ऑपरेशन, एंजियोप्लास्टी, आईसीयू, भर्ती,



बढ़ाना शामिल है। एक सुझाव यह भी है कि महानगरों में निजी अस्पतालों के सामान्य कमरों का शुल्क आसपास के तीन सितारा होटलों के औसत किराये से अधिक न हो।

नहीं, एंजियोप्लास्टी की आवश्यकता है या दवाओं से इलाज हो सकता है- इन फैसलों में डॉक्टर और अस्पताल के पास मरीज से कहीं अधिक जानकारी होती है।

यह स्वास्थ्य क्षेत्र में एक बड़ी इन्फॉर्मेशन एसीमेट्री या ज्ञान-असमानता है, जिसके बारे में अर्थशास्त्री लुबे समय से बताते रहे हैं।कॉर्पोरेट अस्पतालों में महंगी तकनीक, नामी विशेषज्ञ और बेहतर सुविधाएं गुणवत्ता बढ़ा सकती हैं।

लेकिन इनकी लागत भी वसूलनी होती है। संस्थानों पर लगातार बेड़ भरने, प्रति मरीज आय बढ़ाने या अधिक जांचें कराने का दबाव होता है। अधिकांश डॉक्टर मरीज का हित ही चाहते हैं, लेकिन संस्थागत प्रोत्साहन चिकित्सकीय व्यवहार को प्रभावित करते हैं।

इसलिए निजी अस्पतालों और विदेशी निवेश को खलनायक मानना सही नहीं होगा।समस्या पूंजी नहीं, यह है

डायनोस्टिक पैकेज और लंबी दवा-सूचियों पर इसलिए केवल व्यक्तिगत चिकित्सकीय फैसलों के रूप में नहीं, बल्कि पूरे स्वास्थ्य-तंत्र के प्रोत्साहनों के संदर्भ में भी विचार होना चाहिए। हमें स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश चाहिए। मुनाफा कमाना भी अपराध नहीं है।सीमा वहां खिचनी चाहिए,

जहां मुनाफे की अपेक्षा यह तय करने लगे कि कौन-सी जांच होगी, कौन-सी दवा लिखी जाएगी और कौन-सी प्रक्रिया की जाएगी।

स्वास्थ्य-व्यवस्था का सफलता अस्पतालों में आगे निवेश या मेडिकल ट्रिज्म की वृद्धि से नहीं मापी जानी चाहिए। असली कसौटी यह है कि मरीज अस्पताल में इस भरोसे से प्रवेश कर सके कि उसे उतना ही इलाज मिलेगा,

जितना जरूरी है- न उससे कम, न अधिक। (ये लेखक के अपने विचार हैं) डॉ. चन्द्रकान्त लहारिया

परमाणु विस्फोट पकड़ने अमेरिका ने जमीन के नीचे किए ब्लास्ट,जमीन के कंपन का डेटा एनालिसिस-चीन पर छिपकर परमाणु टेस्ट करने के आरोप

वॉशिंगटन डीसी। इस प्रयोग से मिले आंकड़ों का इस्तेमाल कंप्यूटर मॉडल और परमाणु

की कोशिश की जाती है, जहां उसकी ताकत का कुछ हिस्सा जमीन के बाहर तक कम पहुंचे।



विस्फोट का पता लगाने वाले सिस्टम को बेहतर बनाने में किया जाएगा। इससे अमेरिका को दुनिया में कहीं भी होने वाले संभावित परमाणु धमाकों की पहचान करने में मदद मिल सकती है। परमाणु बम का इस्तेमाल क्यों नहीं किया? अमेरिका का मकसद परमाणु धमाका करना नहीं था। उसे यह देखना था कि जमीन के अंदर विस्फोट होने पर बाहर किस तरह वे संवेत मिलते हैं। इसलिए वैज्ञानिकों ने परमाणु बम की जगह रासायनिक विस्फोटक इस्तेमाल किए। इनसे पैदा हुए कंपन और दूसरे संकेतों को रिकॉर्ड किया गया। जमीन के नीचे छिपा परमाणु धमाका पकड़ना मुश्किल क्यों? आमतौर पर जमीन के नीचे परमाणु धमाका होने पर आसपास की जमीन में तेज कंपन पैदा होता है। यह कंपन कुछ हद तक भूकंप जैसा होता है। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में लगे सेंसर ऐसे कंपन को रिकॉर्ड करते हैं। वैज्ञानिक इन संकेतों का अध्ययन करके यह पता लगाने की कोशिश करते हैं कि कहीं परमाणु परीक्षण तो नहीं हुआ। लेकिन समस्या तब होती है जब धमाका वेस वेस संवेतों को जानबूझकर कमजोर करने की कोशिश की जाए। इसे 'डिकपलिंग' कहा जाता है। आसान भाषा में समझें तो विस्फोट को ऐसी जगह करने

इससे सेंसर को मिलने वाला कंपन कमजोर हो सकता है और परीक्षण को पहचानना मुश्किल हो सकता है। अमेरिका का नया प्रयोग इसी तरह के छोटे या कम संकेत देने वाले विस्फोटों को पहचानने की क्षमता बेहतर करने से जुड़ा है। चीन ने अमेरिका के आरोप को खारिज किया था:- अमेरिका का आरोप है कि चीन ने 22 जून 2020 को शिनजियांग के लोप नूर परमाणु परीक्षण केंद्र में सीक्रेट भूमिगत परमाणु परीक्षण किया था। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, वहां 2.75 तीव्रता का भूकंपीय झटका रिकॉर्ड हुआ था। उनका दावा था कि यह सामान्य भूकंप या खनन से हुआ धमाका नहीं था। अमेरिका का कहना है कि चीन ने 'डिकपलिंग' तकनीक अपनाई, जिसमें धमाके को जमीन के अंदर बड़ी गुफा में किया जाता है। इससे निगरानी सिस्टम में झटके रिकॉर्ड नहीं होते। चीन ने आरोपों को पूरी तरह खारिज किया था। उसका कहना है कि उसने कोई परमाणु परीक्षण नहीं किया और अमेरिका बिना सबूत के आरोप लगा रहा है। वहीं, सीटीबीटीओ ने कहा था कि उसके निगरानी नेटवर्क को उस दिन परमाणु परीक्षण का कोई साफ संकेत नहीं मिला। दो छोटे भूकंपीय झटके जरूर दर्ज हुए, लेकिन यह तय नहीं हो सका कि वे भूकंप, किसी दूसरे धमाके या परमाणु परीक्षण की वजह से थे।

ईडी का आरोप-यासीन मलिक समेत 7 को पाक से फंडिंग,हवाला से रु9 करोड़ आए,एनआईए कोर्ट बोली- सभी पर मनी लॉड्रिंग के आरोप तय हों

नयी दिल्ली। नई दिल्ली की स्पेशल एनआईए कोर्ट ने यासीन मलिक समेत 7 आरोपियों के

और हिंसा में शामिल रहा है। जहर अहमद शाह वटाली के यहां से जब्त दस्तावेजों में विदेशी फंडिंग की जानकारी मिली थी। इनमें 2015-16 में जहर अहमद शाह वटाली के जरिए यासीन मलिक, शबीर अहमद शाह और मसरत आलम को विदेशी रकम मिली थी। यासीन



खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत आरोप तय करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि आरोपियों को खिलाफ पर्याप्त सबूत है, जिससे उन पर मजबूत संदेह होता है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का आरोप है कि आरोपियों ने पाकिस्तान और अन्य आतंकी संगठनों से हवाला और अलग-अलग माध्यमों से रु8.94 करोड़ लिए। इस रकम को आरोपियों तक पहुंचाई गई। मलिक के अलावा आरोपियों में जहर अहमद शाह वटाली, अब्दुल राशिद शेख, शबीर अहमद शाह, नवल किशोर कपूर, ट्रिशन फार्मर्स एंड कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड और मसरत आलम भट शामिल हैं। ईडी ने अपराध से अर्जित रकम की जांच के लिए 14 जून 2017 को शिकायत दर्ज की थी। मामले की अगली सुनवाई 30 अक्टूबर को होगी-कोर्ट ने एनआईए की दूसरी स्फीमेंट्री चार्जशीट का जिक्र करते हुए कहा कि यासीन मलिक को सऊदी अरब से रु15.75 लाख मिले थे। 30 सितंबर को सुरक्षा कार्यों से कुछ आरोपियों को कोर्ट में पेश नहीं किया जा सका। मामले की आगली सुनवाई 30 अक्टूबर को होगी। ईडी के मुताबिक, यासीन मलिक जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) का प्रमुख था। संगठन 1990 के दशक से जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों

उकेएलएफ का कमांडर था, अब उम्रकैद की सजा काट रहा- 1980 के दशक में आतंकवाद से जुड़ा- यासीन मलिक 1980 के दशक के आखिर में जेकेएलएफ से जुड़ा। 1989-90 में घाटी में आतंकवाद बढ़ने के दौरान वह संगठन के प्रमुख चेहरों में शामिल था। जांच एजेंसियों के मुताबिक, उस दौर में कई आतंकी घटनाओं की साजिश में उसकी भूमिका रही। 1994 में हथियार छोड़े, अलगाववादी राजनीति शुरू की- 1994 में यासीन मलिक ने हथियार छोड़ने का ऐलान किया। इसके बाद उसने खुद को अलगाववादी नेता के तौर पर पेश किया। वह हरियत कॉन्फ्रेंस से भी जुड़ा और लंबे समय तक कश्मीर में अलगाववादी राजनीति का चेहरा बना रहा। 2019 में जेकेएलएफ पर प्रतिबंध लगा-केंद्र सरकार ने फरवरी 2019 में जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) कानून (यूपीए) के तहत प्रतिबंध लगा दिया। सरकार ने संगठन पर आतंकवाद और अलगाववादी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया। 2022 में उम्रकैद की सजा- मई 2022 में दिल्ली की एनआईए कोर्ट ने आतंकी फंडिंग और आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े मामले में यासीन मलिक को उम्रकैद की सजा सुनाई। वह फिलहाल दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है।

काँकपिट में हुई मारपीट/चाकू लगे, लेकिन फ्लाइट कंट्रोल नहीं छोड़ा,भारतीय पायलट ने 4 साल पहले फ्लाईडुबई जॉइन की मोदी बोले- 9/11 जैसा हमला रोका

इस दौरान उन्होंने कहा:- 'स्कूलिंग के बाद फैमिली बिजनेस संभालने के लिए मैंने मैनेजमेंट

ओर मोड़ दिया गया। काँकपिट में पायलट और को-पायलट के बीच मारपीट हुई। आरोप है कि ओमानी



की पढ़ाई की। लेकिन इसी दौरान मैं एविएशन से जुड़े एक सेमिनार में गया, वहीं मैंने पहली बार पायलट बनने का सोचा।' आगे उन्होंने बताया, 'मेरी पहली कर्मशियल फ्लाइट बेंगलुरु से दिल्ली के लिए थी।' 10 पॉइंट्स में जानिए विमान में क्या-क्या हुआ:- विमान ने पहले 7700 कोड भेजा, जो इमरजेंसी का संकेत होता है। इसके कुछ सेकेंड बाद 7500 कोड भेजा गया, जो हाईजैक की स्थिति का संकेत है।फ्लाइटरेडर के मुताबिक, विमान कुछ ही मिनटों में 34 हजार फीट से गिरकर 16,600 फीट की ऊंचाई पर आ गया। इसके बाद विमान का रास्ता तबूक की

सह-पायलट ने भारतीय कप्तान पर चाकू से हमला किया और विमान का कंट्रोल अपने हाथ में लेने की कोशिश की। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद भारतीय कप्तान ने काँकपिट का दरवाजा खोल दिया, जिससे बाहर मौजूद लोगों को अंदर आने का मौका मिला। आगे बैठे यात्रियों और चालक दल के सदस्यों ने काँकपिट में पहुंचकर हमलावर सह-पायलट को काबू कर लिया। एक यात्री के मुताबिक, उसने काँकपिट से चीखें सुनीं। अंदर पहुंचने पर एक पायलट घायल हालत में मिला। उसके हाथ में फोर्डिंग चाकू था और काँकपिट में खून बिखरा हुआ था। घायल कप्तान की हालत

गंभीर थी। विमान में मौजूद एक इजराइली डेंटिस्ट ने उन्हें प्राथमिक इलाज दिया, जिससे उनकी जान बचाने में मदद मिली। हाईजैक अलर्ट मिलने के बाद इजराइली एयरफोर्स ने लड़ाकू विमान रवाना किए। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने सुरक्षा अधिकारियों के साथ घटना को लेकर बैठक की। विमान का रूट बदलकर उसे सऊदी अरब के तबूक एयरपोर्ट पर उतारा गया। घटना के दौरान इजराइल ने कुछ समय के लिए अपना एयरस्पेस भी बंद किया। इजराइली एजेंसियां इस घटना में आतंकी हमले की आशंका की भी जांच कर रही हैं। जांच में शिन बेट, मोसाद, सेना और परिवहन मंत्रालय के अधिकारी शामिल हैं। नेतन्याहू ने कैप्टन पायलट और क्रू मेंबर्स की तारीफ की इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे बेहद गंभीर सुरक्षा घटना बताया। उन्होंने दावा किया कि को-पायलट का इरादा विमान को नुकसान पहुंचाने का था। उन्होंने बताया कि सऊदी अरब के अधिकारी संदिग्ध पायलट से पूछताछ कर रहे हैं।

नेतन्याहू ने विमान में सवार लोगों की जान बचाने वाले कैप्टन, यात्रियों और क्रू सदस्यों की तारीफ करते हुए कहा कि वह इन हीरोज को सलाम करते हैं। घटना के बाद नेतन्याहू ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और मिलिट्री सेक्रेटरी के साथ इमरजेंसी बैठक भी की।

अमेरिका-मौत के 2 इंजेक्शन देने के बाद भी महिला बची, मौत की सजा टली,धड़कन चल रही थी, नींद में खरटे ले रही थी

टेनेसी।शिप ने बाद में मामले में गवाही दी। नाबालिग होने के कारण उसे मौत की सजा नहीं

मानसिक परेशानियों का उनके व्यवहार पर असर पड़ा था। वहीं, पीड़ित कोलीन स्लेमर के परिवार



दी गई और उम्रकैद की सजा सुनाई गई। टेनेसी में 200 साल बाद पहली बार महिला को मौत की सजा-पाइक अमेरिकी राज्य टेनेसी की मौत की सजा पाने वाली अकेली महिला कैदी थीं। अगर बुधवार की प्रक्रिया सफल होती, अगर प्रक्रिया पूरी हो जाती तो 200 साल से ज्यादा समय में टेनेसी में मौत की सजा पाने वाली वह पहली महिला होती। जेल में रहने के दौरान पाइक ने अपने अपराध पर पछतावा जताया था। उनका मानसिक बिमारियों का इलाज भी हुआ था। उनके वकीलों ने कहना था कि बचपन में उनके साथ हुई कुछ बुरी घटनाओं और

ने पाइक को मौत की सजा दिए जाने का समर्थन किया था। स्लेमर की मां ने कहा था कि पाइक-पाइक अमेरिकी राज्य टेनेसी की मौत की सजा पाने वाली अकेली महिला कैदी थीं। अगर बुधवार की प्रक्रिया सफल होती, अगर प्रक्रिया पूरी हो जाती तो 200 साल से ज्यादा समय में टेनेसी में मौत की सजा पाने वाली वह पहली महिला होती। जेल में रहने के दौरान पाइक ने अपने अपराध पर पछतावा जताया था। उनका मानसिक बिमारियों का इलाज भी हुआ था। उनके वकीलों ने कहना था कि बचपन में उनके साथ हुई कुछ बुरी घटनाओं और

ने अब पाइक को इंजेक्शन देते वक्त आखिर क्या हुआ इसकी जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने बताया कि इस साल होने वाली बाकी सभी मौत की सजाओं पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। पाइक के वकीलों ने बुधवार देर रात कोर्ट में दाखिल दस्तावेजों में बताया कि अधिकारियों ने उसे पेंटागॉनलिट्रस के 2 इंजेक्शन दिए। इसके बावजूद उसकी मौत नहीं हुई। टेनेसी डिपार्टमेंट ऑफ करेक्शन ने कहा कि अधिकारियों ने कोर्ट से मंजूर मौत के इंजेक्शन की प्रक्रिया के हर कदम का पालन किया था। लेकिन फिर भी यह फेल हो गया। अमेरिका में इंजेक्शन देने के बाद भी जान बचने का यह पहला मामला-डेथ पेनल्टी इफॉर्मेशन सेंटर की कार्यकारी निदेशक रॉबिन एम. माहरे ने इसे बेहद असाधारण मामला बताया। उनके मुताबिक, अब तक 7 लोग ऐसे रहे हैं जिनकी नस में मौत का इंजेक्शन देने में दिक्कत हुई और प्रक्रिया के दौरान मेडिकल समस्या आई। लेकिन मौत के इंजेक्शन में इस्तेमाल होने वाली दवा शरीर में पहुंचने के बाद किसी व्यक्ति के जिंदा रहने का ऐसा मामला पहले सामने नहीं आया था। राज्य के नियमों के मुताबिक, पहले इंजेक्शन के बाद अगर कैदी की मौत नहीं होती तो दूसरा इंजेक्शन दिया जाता है। लेकिन दूसरे इंजेक्शन के बाद भी व्यक्ति जिंदा रहे तो क्या करना है, इसके बारे में नियमों में साफ जानकारी नहीं है।

सूरत में 3 हत्याएं, पति-पत्नी ने सालों छिपाया राज,सास/नानी और बहन की जान ली,एक शव घर में दफनाया, अब मिले कंकाल

अहमदाबाद। गुजरात के सूरत जिले के कोसांबा में तीन महिलाओं की हत्या का 4 साल बाद खुलासा हुआ है। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच और कोसांबा पुलिस ने वडफालिया में एक घर के आंगन से मानव कंकाल बरामद किए। पुलिस के मुताबिक, माधवदास और उसकी पत्नी उर्मिला पर तीनों महिलाओं की हत्या का आरोप है। मृतकों में उर्मिला की नानी शांताबेन, बहन भागवतीबेन और माधवदास की मां मंजुलाबेन शामिल हैं। मामला तब सामने आया जब माधवदास ने पत्नी को हत्या में फंसाने के लिए पुलिस में शिकायत की। जांच में उसकी शिकायत संदिग्ध लगी और पूछताछ के बाद तीनों हत्याओं का खुलासा हुआ। 2022 में हुई तीनों महिलाओं की हत्याएं:- 1. पहली हत्या 25 फरवरी 2022 को हुई। पुलिस के मुताबिक, माधवदास और उर्मिला ने उर्मिला की बहन भगवतीबेन वसावा का तक्रिए से मुंह दबाकर हत्या कर दी। वह टीबी से पीड़ित थीं। इसके बाद उनकी मौत को बीमारी से हुई

मौत बताया गया और शव को दफना दिया गया। 2. दूसरी हत्या 19 जुलाई 2022 को हुई। इस बार माधवदास की मां मंजुलाबेन भक्तिराम साधु की मौत हुई। वह पैरालिसिस के बाद



बिस्तर पर थीं। पुलिस का आरोप है कि दंपती ने तक्रिए से उनका मुंह दबाकर हत्या की और बाद में बीमारी से मौत बताकर अंतिम संस्कार कर दिया। 3. तीसरी हत्या 7 अक्टूबर 2022 को शांताबेन गंभीरभाई वसावा की हुई। पुलिस के मुताबिक, शांताबेन उर्मिला की नानी थीं। आरोप है कि सोते समय उनका मुंह तक्रिए से दबाया गया और

हत्या के बाद शव को ड्रम में डाल दिया गया। ड्रम में शव डालकर सीमेंट से किया था बंद-पुलिस के मुताबिक, माधवदास और उर्मिला ने शांताबेन के शव को ड्रम में रखा। उसमें तीन बोरी सीमेंट और 3 डाल्टन शव को सील कर दिया गया। इसके बाद जांच माधवदास की ओर मुड़ी। पूछताछ में पुलिस के मुताबिक, उसने पत्नी और उसके रिश्तेदार को फंसाने के लिए बूटी शिकायत करने की बात मानी और तीनों हत्याओं में अपनी और उर्मिला की भूमिका के बारे में जानकारी दी। आंगन की खुदाई में 4-5 फीट नीचे से मिले कंकाल-पुलिस ने माधवदास की निशानदेही पर घर के आंगन में खुदाई की। सीमेंट की मोटी परत तोड़कर करीब 4-5 फीट गहराई तक खुदाई के बाद मानव कंकाल बरामद किए गए। इन्हें फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। शांताबेन के पड़ोसी भी इस खुलासे से हैरान हैं। उन्हें चार साल तक यही बताया गया था कि उनकी मौत कोरोना से हुई है।

कोंक समेत घर के बरामदे में खोदे गए गड्ढे में दफना दिया। ऊपर से सीमेंट की परत भी डाल दी गई। शांताबेन की मौत को छिपाने के लिए रिश्तेदारों को बताया गया कि उनकी मौत कोरोना से हुई है। उस समय कोरोना के दौरान शव परिवर्जनों को नहीं दिए जाने की बात कहकर मामला दबा दिया गया। पत्नी को फंसाने की कोशिश में

इजराइली यात्री ने टीवी शो देखकर फ्लेन उड़ाना सीखा,हमलावर पायलट को पकड़कर हाइजैकिंग रोकी,खून सने कपड़ों में नेतन्याहू से की मुलाकात

तेल अवीव। उसने कंट्रोल को पीछे की तरफ खींचना शुरू किया, जिससे विमान का संतुलन वापस आने लगा। चाकूबाजों से

और विमान की सऊदी अरब के तबूक एयरपोर्ट पर सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग कराई। हालांकि, यह अभी साफ नहीं



पहले दोनों पायलटों में हाथापाई हुई थी:-घटना बुधवार सुबह करीब 9 बजे हुई। विमान में 174 यात्री सवार थे, जिनमें 27 बच्चे शामिल थे। ज्यादातर इजराइली पैसेंजर्स थे। रिपोर्टों के मुताबिक, हमले से पहले दोनों पायलटों के बीच हाथापाई हुई थी। इसके बाद को-पायलट ने कैप्टन स्मित पर चाकू से हमला किया। इस दौरान विमान करीब 34 हजार फीट की ऊंचाई से अचानक 17 हजार फीट नीचे आ गया। एक यात्री और क्रू मेंबर किसी तरह काँकपिट तक पहुंचने में कामयाब हुए। इसके बाद दूसरे क्रू मेंबर भी काँकपिट में पहुंचे

है कि यात्री और क्रू मेंबर फ्लाईडुबई के काँकपिट में कैसे घुसे, क्योंकि काँकपिट के दरवाजे जबरन खोलने की कोशिशों को रोकने के लिए मजबूत बनाए जाते हैं। आमतौर पर उड़ान के दौरान काँकपिट का दरवाजा सुरक्षा कारणों से लॉक रहता है। 11 सितंबर 2001 के आतंकी हमलों के बाद यह विमान सुरक्षा नियम बन गया। 10 पॉइंट्स में जानिए विमान में क्या-क्या हुआ:- विमान ने पहले 7700 कोड भेजा, जो इमरजेंसी का संकेत है। कुछ सेकेंड बाद 7500 कोड भेजा गया, जो हाईजैक का संकेत है। फ्लाइटरेडर के मुताबिक, विमान

कुछ ही मिनटों में 34 हजार से 16,600 फीट की ऊंचाई पर आ गया। इसके बाद इसका रास्ता ताबूक की ओर मोड़ा गया। पायलट और को-पायलट के बीच मारपीट हुई। झगड़े की वजह अभी साफ नहीं है। इजराइली मीडिया के मुताबिक, ओमानी पायलट ने विमान को जमीन की ओर मोड़ने की कोशिश की। आगे बैठे यात्रियों ने काँकपिट में पहुंचकर उसे काबू किया। यात्रियों के मुताबिक, विमान में साढ़े कपड़ों में दो और पायलट मौजूद थे। इनमें से एक ने विमान का कंट्रोल संभाला। एक यात्री ने बताया कि उसने काँकपिट से चीखें सुनीं। वहां एक पायलट घायल मिला, उसके हाथ में फोर्डिंग चाकू था और काँकपिट में खून बिखरा था। घायल पायलट की हालत गंभीर थी। विमान में मौजूद एक इजराइली डेंटिस्ट ने उसका इलाज कर जान बचाने में मदद की। हाईजैक अलर्ट वेज बाद इजराइली एयरफोर्स ने फाइटर जेट रवाना किए। पीएम नेतन्याहू ने सुरक्षा अधिकारियों के साथ बैठक की। विमान को सऊदी अरब के ताबूक एयरपोर्ट पर उतारा गया। इजराइल ने कुछ समय के लिए अपना एयरस्पेस भी बंद किया। विमान ने पहले 7700 कोड भेजा, जो इमरजेंसी का संकेत है। कुछ सेकेंड बाद 7500 कोड भेजा गया, जो हाईजैक का संकेत है। फ्लाइटरेडर के मुताबिक, विमान

राहुल बालाघाट में मृत आदिवासी बच्चों के परिवारों से मिले,बोला- सरकार बीमारियों से निपटने में नाकाम

बालाघाट। राहुल गांधी ने गुरुवार को बालाघाट के बिरसा ब्लॉक के जगला गांव में बैगा आदिवासियों से मुलाकात की।

है। राहुल बोले- परिवारों को मुआवजा नहीं मिला, 9 बड़ी बातें- बालाघाट के आदिवासी इलाकों में कई बच्चों की मौत बीमारी और



यहां वे करीब एक घंटे रुके और बीमारी से जान गंवाने वाले बच्चों के परिवारों से भी मिले। राहुल से मिलने आसपास के गांवों से करीब डेढ़ हजार लोग पहुंचे। इससे पहले उन्होंने माठे थाथमिक शासकीय स्कूल में बच्चों से मिड डे मील के बारे में जाना। बालाघाट में पिछले 3 महीनों में कुपोषण और मलेरिया से 32 आदिवासी बच्चों की मौत हुई है। राहुल ने कहा कि बीमारी से निपटने में राज्य सरकार पूरी तरह फेल रही। वे यह मुद्दा लोकसभा में उठाएंगे। उन्होंने आदिवासी महिलाओं को लाइली बहना योजना का लाभ नहीं मिलने का भी आरोप लगाया। कांग्रेस का दावा है कि मौतों की संख्या ज्यादा है, जबकि भाजपा ने राहुल के दावे को राजनीतिक माइलेज लेने की कवायद बताया

कुपोषण की वजह से हुई है। इसके अलावा, सरकार को जो मदद देनी चाहिए। चाहे वह स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा या रोजगार से जुड़ी हो।

मध्य प्रदेश की आबादी में आदिवासियों की हिस्सेदारी 21.1फीसदी है, यानी हर पांचवां व्यक्ति। इसका असर चुनाव में भी दिखता है। विधानसभा की 230 सीटों में 47 एसटी के लिए आरक्षित हैं, जबकि 37 अन्य सीटों पर भी आदिवासी वोट अहम माना जाता है। यानी कुल 84 सीटों पर इसका असर है। लोकसभा की 29 सीटों में 6 एसटी के लिए आरक्षित हैं।

वह यहां बिल्कुल नहीं मिल रही है। ऐसा लगता है जैसे आदिवासियों को भारत के बीचों-बीच अकेला छोड़ दिया गया हो, मानो उनके लिए न तो केंद्र सरकार है और न ही मध्य प्रदेश सरकार- क्षेत्र में कुपोषण और बीमारियों की वजह से कई बच्चों की जान

गई है, लेकिन सरकार की तरफ से स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार का कोई सहयोग नहीं मिल रहा है। मनरेगा ठप है, वन अधिकार कानून लागू नहीं हो रहा और आदिवासियों को जमीन के पट्टे नहीं मिल रहे हैं। बच्चों की मौत के बावजूद पीड़ित परिवारों को पूरा मुआवजा तक नहीं मिला है। आधे लोग अब भी इससे वंचित हैं। सरकार अपनी जिम्मेदारी निभाएँ। वन अधिकार कानून के तहत आदिवासियों को पट्टे दे, मनरेगा का काम फिर शुरू करें और इलाके में स्कूल व अस्पताल बनाएं। सरकार 24 घंटे विकास की बातें करती है और भ्रष्टाचार जारी रहता है, लेकिन जब आदिवासी भाइयों को मदद की जरूरत होती है, तो सरकार गायब दिखती है। एक योजना का लाभ मिलने पर 'लाइली बहना योजना' की राशि काट ली जाती है: यदि दो योजनाएं चल रही हैं, तो आदिवासियों को

आरएसएस ने देशभर में एनआरसी कराने की मांग दोहराई,कहा- वोटर लिस्ट की जांच हो

नयी दिल्ली। स्पेशल इंटेलिजेंस रिवीजन (एसआईआर) और जनगणना को लेकर चल रही चर्चा के बीच आरएसएस ने देशभर में नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन (एनआरसी) कराने की मांग दोहराई है। दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान संघ के प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा- यह साफ होना चाहिए कि कौन भारतीय नागरिक हैं और कौन नहीं। आंबेकर ने कहा कि वोटर लिस्ट में गलत तरीके से शामिल गैर-नागरिकों की पहचान जरूरी है। उन्होंने सिटीजनशिप असेसमेंट एक्ट (सीएए) के तहत पात्र लोगों को नागरिकता देने और उनकी पहचान एनआरसी के जरिए करने की बात भी कही। आंबेकर ने जनसंख्या में बदलाव को 1947 के विभाजन से जोड़ते हुए कहा कि जनसंख्या संतुलन देश की सांस्कृतिक पहचान, एकता और सुरक्षा से जुड़ा है। उन्होंने राजनीतिक दलों से संवेदनशील राष्ट्रीय मुद्दों को राजनीतिक फायदे के लिए इस्तेमाल नहीं करने की अपील की। साथ ही कहा कि ऐसे मामलों को केवल 'सेक्युलर बनाम सांप्रदायिक' बहस के बजाय देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के नजरिए से देखा जाना चाहिए। आंबेकर की स्वीच की बड़ी बातें:- 1. एनआरसी की प्रक्रिया पर आपत्ति हो तो कानूनी रास्ता: आंबेकर ने कहा कि अगर किसी को एनआरसी की प्रक्रिया पर आपत्ति है तो अदालत समेत कानूनी रास्ते खुले हैं। सिर्फ राजनीतिक कारणों से किसी गैर-नागरिक को भारतीय नागरिक मानना सही नहीं होगा। 2. पड़ोसी देशों के एससी/एसटी और कमजोर वर्गों का जिक्र: उन्होंने कहा- पड़ोसी देशों से भारत आए जो लोग सीएए के तहत नागरिकता के पात्र हैं, उन्हें नागरिकता मिलनी चाहिए। पड़ोसी देशों में रह गए एससी/एसटी और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लोगों के उत्पीड़न को भी देखा जाना चाहिए। 3. जनसंख्या बदलाव की शुरुआत मुस्लिम आक्रमणों से जोड़ी: आंबेकर ने कहा- भारत में जनसंख्या बदलाव की शुरुआत मुस्लिम आक्रमणों के दौर से हुई। 1947 में धर्म और जनसंख्या के आधार पर देश का विभाजन हुआ था, इसलिए जनसंख्या संतुलन जरूरी है। संस्कृति की रक्षा की बात को सांप्रदायिक नहीं कहा जा सकता। 4. शायद और दूसरे कानूनों में समानता की बात: आंबेकर ने कहा कि कानून सभी के लिए समान होना चाहिए। उन्होंने शादी और बहुविवाह से जुड़े अलग-अलग कानूनी प्रावधानों के साथ संविधान के अनुच्छेद 29 और 30 तथा स्थानीय निकाय चुनावों में जनसंख्या नियंत्रण से जुड़े नियमों का भी जिक्र किया।

मुंबई। अमिताभ बच्चन 'कौन बनेगा करोड़पति 18' के सेट पर फिसल गए। इससे उनके बाएं घुटने में चोट आई है। हालिया एपिसोड में अमिताभ बच्चन ने इस हादसे की जानकारी दी। अमिताभ आमतौर पर शो की शुरुआत विस से ढाँड़कर आते हुए और स्टेज के सेंटर में खड़े होकर अपने मोनोलॉग से करते हैं। हालांकि, पैर में दर्द के कारण उन्होंने इस बार बैठकर एपिसोड की शुरुआत की। उन्होंने दर्शकों से कहा कि चोट गंभीर नहीं है और वे कंटेस्टेंट्स के साथ खड़े

अमिताभ बच्चन 'कौन बनेगा करोड़पति' के सेट पर फिसले जिससे घुटने में चोट लगी, खड़े होने में परेशानी; बैठकर शुरू की होस्टिंग

होकर ही गेम होस्ट करेंगे। शूटिंग के दौरान फिसल गया था पैर- अमिताभ बच्चन ने शो की शुरुआत में ही अपने फैंस और दर्शकों को इस घटना के बारे में बताया। उन्होंने अपने बाएं घुटने की तरफ इशारा करते हुए कहा कि बीते दिन शूटिंग के समय उनका पैर फिसल गया था। उन्होंने कहा कि आम तौर पर वे सेंटर में खड़े होकर अपनी बात रखते हैं, लेकिन आज खड़े होने में थोड़ी तकलीफ हो रही है। अमिताभ साल 2000 से 'केबीसी' होस्ट कर रहे- 'कौन बनेगा करोड़पति' का 18वां



2000 से इस विजय शो को होस्ट करते आ रहे हैं। केवल तीसरे सीजन को छोड़कर, जिसे शाहरुख

खान ने होस्ट किया था, बाकी सभी सीजन्स में अमिताभ ही शो का मुख्य चेहरा रहे हैं। 83 से अधिक उम्र में भी उनकी फिटनेस और काम के लिए समर्पण की लोग तारीफ करते हैं। बिग बी का 75वीं बर्थडे लिवर है खराब-83 साल के बिग बी सिर्फ 25फीसदी लिवर पर ही जिंदा हैं, उनका 75फीसदी लिवर खराब है। कुली के सेट पर हुए हादसे के बाद डॉक्टरों की कलिकली मरा हुआ घोषित कर चुके हैं। 3-4 घंटे जिंदा रहना भी मुश्किल था, वो दर्द अमिताभ ने 4 दिन झेला-26 जुलाई

1982 को अमिताभ बच्चन फिल्म कुली के लिए एक एक्शन सीक्वेंस शूट कर रहे थे। शॉट की डिमांड के अनुसार पुनीत इस्सर को अमिताभ को मुक्का मारना था और उन्हें टेबल पर जाकर गिरना था। ये काम बॉडी डबल का था, लेकिन अमिताभ ने परफेक्शन के लिए खुद इसे शूट किया। मुक्का तेज लगा जिससे टेबल का एक कोना अमिताभ के पेट पर लग गया। खून नहीं आया था, लेकिन दर्द से बिग बी का बुरा हाल था। अस्पताल गए तो डॉक्टरों सही कारण नहीं

समझ सके। पेन किलर के सहारे बिग बी ने दो दिन काटे, लेकिन जब दर्द बंद नहीं हुआ तो फिर उन्हें बेंगलुरु के सेंट फिलोमेना हॉस्पिटल में एडमिट किया गया। डॉक्टरों भी दे चुके थे जवाब-एक्स-रे हुआ लेकिन अब भी सही कारण नहीं पता चल सका। कई टेस्ट हुए, लेकिन जब चोट का ही पता नहीं चला तो इलाज कैसे होता। तीसरे दिन जब दर्द असहनीय हुई तो डॉक्टरों ने दोबारा एक्स-रे कर इसे बारीकी से एग्जामिन किया। देखा कि एक्स-रे में डायफ्राम के नीचे

गैस दिख रही थी, जो लीकेज का संकेत थी। दरअसल चोट लगने से अमिताभ की अंतर्द्विपा फंटे गई थीं और सही समय पर इलाज न मिलने पर इंफेक्शन फैल चुका था। चौथे दिन जाने माने सर्जन एच.एस.भाटिया ने अमिताभ का केस देखा और तुरंत ऑपरेशन का सुझाव दिया। ऑपरेशन से पहले अमिताभ को 102 बुखार हो गया और उनकी हार्टबीट 72 की जगह 180 हो गई। ऑपरेशन हुआ तो देखा कि अंदर से आंते फटे चुकी हैं। ऐसी कंडीशन में 3-4 घंटे जिंदा

रहना भी मुश्किल था, लेकिन वो 4 दिनों से जुड़ा रहे थे। चौथे दिन बिग बी कोमा में चले गए। दो ऑपरेशन हुए और दो महीनों तक उन्हें हॉस्पिटल में रखा गया। पहले ही अस्थमा, लिवर प्रॉब्लम और निमोनिया से जुड़ा रहे थे बिग बी- हादसे से पहले ही अमिताभ बच्चन को लिवर की समस्या थी और साथ ही वो अस्थमैटिक भी थे। ऑपरेशन के अगले ही दिन उन्हें निमोनिया हुआ जिससे हालत और बिगड़ गई। बेंगलोर में इलाज के बाद उन्हें एयरबस से मुंबई लाया गया था।

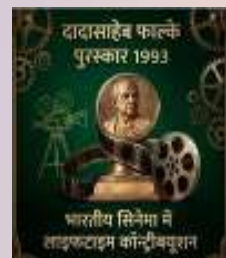
मजरूह सुल्तानपुरी, जिन्हें नेहरू के खिलाफ लिखने पर जेल हुई, पापा कहते हैं बड़ा नाम करेगा/पहला नशा जैसे दर्जनों गाने लिखे, आखिरी गीत शाहरुख पर

मुंबई। 'मैं अकेले ही चला था जानिब-ए-मंजिल मगर, लोग साथ आते गए और कारवां बनता गया।' इन पंक्तियों को सुनकर लगता है कि इन्हें लिखने



वाला शख्स शायद जिंदगी की गहराइयों में डूबा कोई बेहद संजीदा और गंभीर शायर होगा। लेकिन यही मजरूह जब फिल्मों के लिए लिखने बैठे, तो उनकी कलम ने मोहब्बत के ऐसे रंग बिखरे कि शाहरुख खान, सलमान खान और आमिर खान के गाने सालों साल याद गिए गए। 'पहला नशाफ्त पहला खुमार', 'पापा कहते हैं बड़ा नाम करेगा', 'साधिया तूने क्या किया, और 'ऐ काश कि हम होश में अब आने न पाएं' ये सिर्फ गाने नहीं, बल्कि ऐसी धुनें हैं जिनके साथ कई पीढ़ियाँ की मोहब्बत, जवानी और यादें जुड़ी हुई हैं। उनके सदाबहार गीतों की फेहरिस्त इतनी लंबी है कि उसे गिनते-गिनते शाम हो जाए। 'आजा आजा मैं हूँ प्यार तेरा' (तीसरी मंजिल, 1966) से लेकर 'चुरा लिया है तुमने जो दिल को' (यादों की बारात, 1973) तक, मजरूह की कलम ने हिंदी सिनेमा को दर्जनों ऐसे गीत दिए, जो वक्त बदलने के बावजूद पुराने नहीं पड़ें। उनकी कलम में बगावत की

(घर-1978) हमें तुमसे प्यार कितना (बुदरत-1981) 1 अक्टूबर 1919, मजरूह सुल्तानपुरी का जन्म ब्रिटिश इंडिया के सुल्तानपुर में हुआ। असली नाम था सराफल हसन खान, जो आगे जाकर सुल्तानपुर के नाम पर मजरूह सुल्तानपुरी नाम से जाने गए। पिता पुलिस में थे, जिन्होंने उनका दाखिला मदरसे में करवाया, वो अंग्रेजी पढ़ाई के खिलाफ थे। यहीं उन्होंने उर्दू, अरबी, फारसी सीखी। बढ़ती उम्र के साथ उनकी दिलचस्पी गानों में होने लगी। लेकिन पिता ने साफ कह दिया कि तुम्हें मेडिकल की पढ़ाई करनी होगी। पिता की सख्ती के आगे गायिकी का शौक फीका पड़ गया और उनका दाखिला करवाया गया लखनऊ के तामील-उल-तबी यूनानी मेडिसिन कॉलेज में। पढ़ाई पूरी कर वह हकीम बन गए, लेकिन जहन में गायिकी ही चलती थी। एक दिन तहसीलदार की बेटी की नब्ब देखते हुए, वो उसे दिल दे बैठे। दोनों में बातचीत भी शुरू हो गई,



लेकिन जल्द ही लड़की के पिता ने दोनों के रास्ते अलग कर दिए। दिल टूटा, तो मजरूह सुल्तानपुरी ने कलम उठाई और दिल का दर्द कागजों में लिखने लगे। जल्द ही शब्द शायरी का रूप लेने लगे। दूसरे शायरों को देखते हुए उन्होंने अपना पेन नेम तखल्लुस रखा, जिसका मतलब था- नसीहत देने वाला। कुछ दिनों बाद दोस्त को बताया, तो उसने कहा- 'नहीं ये नाम अच्छा नहीं, तुम नाम रखो मजरूह यानी घायल।' ऐसे उनका नाम तखल्लुस मजरूह हुआ। हर शायरी के नीचे वह यही लिखने लगे। 1941 की बात है, एक रोज वह सुल्तानपुर में हो रहे मुशायरे में पहुंचे। हर कोई मंच पर अपनी अपनी शायरी सुना रहा था, तो मजरूह सुल्तानपुरी भी अपनी डापरी लेकर पहुंच गए। दो लाइनें पढ़ीं, तो हर ओर से वाह-वाहफ्त, की आवाज आने लगी। वाह-वाह करने वालों में उस दौर के मशहूर शायर ज़िगर मुरादाबादी भी शामिल थे। वही

लिंया। मजरूह ने ज़िगर मुरादाबादी जैसा उस्ताद मिलने के बाद हकीमगिरी बंद कर दी और लिखने में तबज्जो देने लगे। कुछ समय बाद एक मुशायरे में ज़िगर साहब और मजरूह साहब दोनों थे। यहां फिल्म इंडस्ट्री की कई मशहूर हस्तियां भी थीं। तभी मशहूर प्रोड्यूसर कारदार साहब ने ज़िगर मुरादाबादी के पास आकर कहा- 'मैं एक फिल्म बना रहा हूँ शाहजहां, चाहता हूँ कि आप उसमें गाने लिखें।' जवाब मिला- 'ये फिल्मी गाने लिखना मेरे बस की बात नहीं है। ये नौजवान शायर है मजरूह। इसको तुम मुशायरे में सुन चुके हो।' इस पर ज़िगर साहब ने मजरूह साहब से कहा- 'तुम कोशिश करो।' मजरूह साहब बोले- 'आप खुद तो मना कर रहे हैं और मुझे लिखने को बोल रहे हैं। मैं भी आपको तरह साहित्य में, अदब में खुद को बड़ा शायर बनाना चाहता हूँ, फिल्मी गीतकार नहीं।' इस बार ज़िगर मुरादाबादी ने हल्की सी हंसी के साथ कहा- 'देखो, तुम अभी जवान हो। 24-25 साल के हो। कल तुम्हारी शादी होगी, बीवी-बच्चे होंगे, जिम्मेदारियां बढ़ेंगी। मैं अपने तजुबों से कह रहा हूँ कि सिर्फ शायरी से घर नहीं चलेगा।' मजरूह साहब, उस्ताद की बात से इंकार नहीं कर सके और 'शाहजहां' फिल्म के लिए दो गाने लिखे। पहला गाना था- 'गम दिए मुस्किल, कितना नाजुक है दिल, ये न जाना, हाथ हाथ ये जालिम जमानाफ्त', और दूसरा लिखा- 'जब दिल ही टूट गया, हम जी कर क्या करेंगेफ्त'। मशहूर सिंगर के.एल. सहगल एक रोज फिल्मी गाने सुन रहे थे। तभी रेडियो पर गाना बजा- 'जब दिल ही टूट गया, हम जी कर क्या करेंगेफ्त'। गाना सुनते ही सहगल बोल पड़े- 'जब मेरी मौत हो, तो मेरी अंतिम यात्रा में यही गाना बजना चाहिए।' 18 जनवरी 1947 को जब के.एल. सहगल का निधन हुआ, तो उनकी आखिरी विदाई



'हिटलर का चेला' कहते हुए एक कविता पढ़ी- मन में जहर डॉलर के बसा के फ़िरती हैं भारत की अहिंसा। खादी की केंचुल को पहनकर, ये केंचुल लहराने न पाए। ये भी है हिटलर का चेला, मार लो साथी जाने न पाए। कॉमनवेल्थ का दास है नेहरू, मार लो साथी जाने न पाए। तत्कालीन गवर्नर मोरारजी देसाई के कहने पर आंदोलन में शामिल एक्टर बलराज साहनी और अन्य लोगों के साथ मजरूह सुल्तानपुरी को भी ऑर्थर रोड जेल में डाल दिया गया। जेल में मजरूह सुल्तानपुरी के सामने साफ विकल्प रखा गया- 'माफी मांगो या दो साल जेल में रहो।' मजरूह ने माफी मांगने के बजाय जेल जाना चुना। उनकी कलम सत्ता के सामने बलराने को तैयार नहीं थी। उन्होंने दो साल की सजा काटी। इतना ही नहीं, आगे भी ऐसे कई मौके आए, जब उनकी कविताओं और उनके विचारों की कीमत उन्हें जेल जाकर चुकानी पड़ी। जब मजरूह जेल में बंद थे तब उनकी पहली बेटी हुई। परिवार आर्थिक तंगी से गुज़र रहा था। इस दौरान मजरूह सुल्तानपुरी ने जेल में रहते हुए कुछ फिल्मों में गीत लिखने की हामी भरी और



में यही गीत बजा। पापा कहते हैं बड़ा नाम करेगा (कयामत से कयामत तक-1988) ए मेरे हमसफर (कयामत से कयामत तक-1988) अकेले हैं तो क्या गम है (कयामत से कयामत तक-1988) साधिया तूने क्या किया (लव-1991) पहला नशा, पहला खुमार (जो जीता वही सिकंदर-1992) यहां के हम सिकंदर (जो जीता वही सिकंदर-1992) जानम समझा करों, क्या कहना और पुकार जैसी फिल्मों के गाने लिखे। उन्होंने आखिरी बार शाहरुख खान स्टारर फिल्म वन टू का फोर के लिए गाने लिखे, जो उनके निधन के बाद रिलीज हुआ। इस फिल्म का गाना 'खामोशियां गुनगुनानेफ्त', लगी काफी हिट रहा था। मजरूह सुल्तानपुरी ने अपने करियर में 8 हजार से ज्यादा गाने लिखे हैं। जिसमें से ज्यादातर गाने हिट रहे हैं। मजरूह पहले गीतकार हैं जिन्हें 1993 में दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड से नवाजा गया है। 24 मई 2000 को उनका लंग्स संबंधित दिक्कतों के चलते 80 साल की उम्र में निधन हो गया। मजरूह की याद में सुल्तानपुर में एक बगीचा बनाया गया जिसका नाम रखा गया मजरूह सुल्तानपुरी उद्यान। सुल्तानपुर में टूटी के रास्ते में ही उनके नाम का गेट भी बनाया गया है।

सुबह आंख खुलते ही सनलाइट की बजाय मोबाइल स्क्रीन देखते हैं। दिन की शुरुआत नोटिफिकेशन और सोशल मीडिया से होती है। जबकि सुबह की धूप बाँड़ी क्लॉक को सट करने और शरीर को पूरे दिन के लिए तैयार करने में अहम भूमिका निभाती है। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में सुबह की धूप के हेल्थ बेनिफिट्स पर बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि-यह शरीर में कौन-कौन से बदलाव लाती है? सनलाइट का एंजिंग से क्या कनेक्शन है? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. अतुल अरोड़ा, सीनियर कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, धर्मशिला नारायणा हॉस्पिटल, दिल्ली जी के साथ सावाल जवाब के माध्यम से। सावाल- दुनिया भर में सनलाइट (धूप) पर हो रही रिसर्च कहती है कि सूरज की रोशनी से लॉजिस्टिक्स बढ़ती है। क्या ये बात सही है? जवाब- हाँ, ये बात सही है। कई रिसर्च बताती हैं कि जो लोग नियमित रूप से सुबह की धूप लेते हैं, उनके शरीर की कई प्रक्रियाएँ बेहतर तरीके से काम करती हैं, जो हेल्दी एंजिंग को सपोर्ट करती हैं। लेकिन इसे ऐसे समझना होगा कि धूप कोई जादूई दवा नहीं है, जो सीधे आपकी उम्र बढ़ा देती है। यह हेल्दी लिविंग का हिस्सा है। सूरज की रोशनी बिल्कुल मुफ्त है। अगर आप सोकर उठने के एक घंटे के भीतर बाहर जाने दें और कम-से-कम 15 मिनट धूप में रहते हैं तो यह आपके भूख, नींद और मेटाबॉलिज्म के लिए किसी वरदान से कम नहीं। सावाल- क्या किसी भी समय धूप में रहना सेहत के लिए अच्छा है? जवाब- नहीं, सुबह की धूप शरीर को बताती है कि दिन शुरू हो गया है। इससे- बाँड़ी क्लॉक

इस्तेमाल, मूड और रात की नींद पर पड़ता है। यही वजह है कि जो लोग रेगुलर सुबह धूप लेते हैं, उनमें नींद का पैटर्न, दिनभर की एनर्जी और मेटल परफॉर्मेंस बेहतर होता है। धूप से अलर्टनेस बढ़ती है। शरीर एक्टिव होता है। बाँड़ी टेम्परेचर बढ़ता है। डाइजेशन एक्टिव होता है। ब्रेन को मॉर्निंग सिमल मिलता है। हार्मोन टाइमिंग सेट होती है। बाँड़ी क्लॉक सेट होती है। सावाल- सुबह की धूप हमारी बाँड़ी क्लॉक को कैसे रीसेट करती है? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- ब्रेन, लिवर, हार्ट और डाइजेस्टिव सिस्टम की अपनी-अपनी बाँड़ी क्लॉक होती है। देर रात तक स्क्रीन देखने, अनियमित नींद लेने और नेचुरल लाइट की कमी से इनकी टाइमिंग बिगाड़ सकती है। सुबह की धूप पूरे शरीर को एक जैसा टाइम सिमल देती है। इससे शरीर के अलग-अलग अंग एक ही टाइम टेबल के हिसाब से काम करने लगते हैं। सोने, जागने, खाने और ऊर्जा इस्तेमाल करने की टाइमिंग बेहतर होती है। इसलिए बैज्ञानिक सुबह की धूप को शरीर का 'नेचुरल रीसेट बटन' मानते हैं। सावाल- वो कौन-से संकेत हैं, जो बताते हैं कि बाँड़ी क्लॉक बिगड़ रही है? जवाब- इसके संकेत अक्सर धीरे-धीरे दिखते हैं। इसलिए लोग इन्हें सामान्य थकान या खराब दिनचर्या का असर समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। अगर सोने-जागने, भूख लगने या एनर्जी लेवेल से जुड़ी दिक्कतें हो रही हैं, तो यह बाँड़ी क्लॉक के गड़बड़ाने का संकेत हो सकता है। बाँड़ी क्लॉक बिगड़ने के संकेत- दिन में सुस्ती लगना, नींद आना। रात में देर तक नींद न आना। देर रात बार-

होता है। दिनचर्या बेहतर होती है। मूड बेहतर रहता है। मेटाबॉलिज्म सपोर्ट मिलता है। विटामिन डी बढ़ता है। फिजिकल एक्टिविटी बढ़ती है। सावाल- सुबह धूप लेने से रात में अच्छी नींद कैसे आती है? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- सुबह की धूप आंखों के जटिल रेटिना तक पहुंचकर शरीर को बताती है कि दिन शुरू हो गया है। शरीर इसी जानकारी के आधार पर रात की नींद का समय तय करता है। यानी अगर शरीर को सुबह सही समय पर तेज प्राकृतिक रोशनी मिल जाती है, तो उसे यह अंदाजा हो जाता है कि रात में कब नींद आनी है। इसे ऐसे समझिए- शरीर को सिर्फ यह नहीं जानना होता कि अभी दिन है, बल्कि यह भी जानना होता है कि दिन शुरू हुए कितने घंटे बीत चुके हैं। सुबह की धूप यह 'टाइम रेफरेंस' देती है। यही वजह है कि सुबह प्राकृतिक रोशनी लेने वाले लोगों में सोने का समय रेगुलर और स्लीप क्वालिटी बेहतर होती है। सावाल- सुबह की धूप स्ट्रेस कम करने में कैसे मदद करती है? जवाब- सुबह की धूप शरीर में कोर्टिसोल के नेचुरल मॉर्निंग पीक को सपोर्ट करती है। कोर्टिसोल को यूं तो 'स्ट्रेस हार्मोन' कहा जाता है, लेकिन सही समय पर बढ़ने वाला कोर्टिसोल वास्तव में हमें जागने, एनर्जी देने और दिन के लिए तैयार करने का काम करता है। समस्या तब होती है, जब कोर्टिसोल गलत समय पर बढ़ने लगे। ऐसे में बेचैनी, चिड़चिड़ापन, थकान और नींद की समस्याएं बढ़ सकती हैं। सुबह की प्राकृतिक रोशनी कोर्टिसोल के डेली रिदम को व्यवस्थित करती है। सावाल- सुबह की धूप फोकस और

परफॉर्मेंस बढ़ाने में कैसे मदद करती है? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- सुबह की धूप आंखों में मौजूद खास लाइट सेंसिटिव सेल्स को एक्टिव करती है। ये सेल्स ब्रेन को मैसेज भेजती हैं कि अब जागने और एक्टिव होने का समय है। इसके जवाब में ब्रेन ऐसे केमिकल्स रिलीज करता है, जो फोकस और अलर्टनेस बढ़ाने में मदद करते हैं। इनमें नॉरएड्रेनालिन और डोपामिन प्रमुख हैं। नॉरएड्रेनालिन ब्रेन को किसी काम या जानकारी पर फोकस करने में मदद करता है, जबकि डोपामिन मोटिवेशन बनाए रखता है। सावाल- सनलाइट का एंजिंग से क्या कनेक्शन है? जवाब- अगर नींद, मेटाबॉलिज्म, हार्मोन, इम्यून सिस्टम और हार्ट हेल्थ लंबे समय तक ठीक रहे, तो उम्र बढ़ने के कुछ असर धीमे पड़ सकते हैं। सुबह की धूप इन सभी सिस्टम्स की टाइमिंग को बेहतर बनाए रखने में मदद करती है। जिन लोगों की सर्कीडियन रिथम (बाँड़ी क्लॉक) मजबूत रहती है, उनमें उम्र बढ़ने से जुड़ी कई समस्याओं का रिस्क कम होता है। सावाल- सुबह धूप लेने का सही तरीका क्या है? क्या धूप देखने का मतलब सीधे सूरज को देखना है? जवाब- नहीं, सुबह धूप लेने का मतलब सीधे सूरज को घूरना नहीं है। ऐसा करना आंखों को नुकसान पहुंचा सकता है। सुबह की धूप का फायदा लेने के लिए सिर्फ इतना जरूरी है कि प्राकृतिक रोशनी आपकी आंखों तक पहुंचे। इसके लिए घर से बाहर निकलें और खुले आसमान की ओर देखें। सूरज आपकी नजर के दायरे में हो सकता है, लेकिन उसे सीधे देखने की जरूरत नहीं है। दरअसल, ब्रेन को सिमल सूरज की डिस्क से नहीं, बल्कि पूरे आसमान में फैली प्राकृतिक रोशनी से मिलता है। सावाल- सुबह धूप लेते समय किन बातों का ध्यान रखें? जवाब- सुबह की धूप का फायदा तभी मिलता है, जब उसे सही तरीके से लिया जाए। इसका मतलब ज्यादा देर धूप में खड़े रहना या सूरज को सीधे देखना नहीं है। मकसद आंखों और शरीर को सूर्याभित्त तरीके से प्राकृतिक रोशनी देना है। मॉर्निंग सनलाइट के 7 रूल्स- 10 बजे से पहले की धूप लें। यह रूटीन रोज फॉलो करें। खुले आसमान के नीचे जाएं। 15-30 मिनट धूप में रहें। आंखों पर गॉगल्स न लगाएं। उन्हे प्राकृतिक रोशनी मिलने दें। सूरज को सीधे न देखें। धूप सिर्फ रोशनी नहीं देती, यह मूड भी बेहतर बना सकती है। इसलिए अगली बार जब सूरज बादलों के पीछे से निकलता दिखे, तो कुछ देर के लिए बाहर जरूर जाएं। हो सकता है यह सुनहरी रोशनी आपके मन को भी थोड़ा हल्का और खुश कर दे।

स्वताधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कट्टरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईटीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.नं.09415608710
RNINO.UPHIN/2016/63398
www.uphniksachar.com
नोट:- इस समाचार पत्र में
प्रकाशित समस्त समाचारों के
चयन एवं सम्पादन हेतु
पी0आरबी0 एक्ट के अन्तर्गत
उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न
समस्त विवाद इलाहाबाद
न्यायालय के अधीन ही होगा।